वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 | अंक: 65 | मंगलवार 11 अगस्त 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एग्रीस्टैक स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित

कृषि सेवाओं को अधिक पारदर्शी एवं किसान केन्द्रित बनाया जाए: श्रीनिवास

कृषि विभाग में बनेगा एग्रीस्टैक कमिश्नरेट, प्रदेश में शीघ्र ही लागू होगा फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाईजर सेल

अब तक 87.44 लाख किसानों की बनी फार्मर आईडी, राज्य को एग्रीस्टैक से संबंधित कार्य पूर्ण करने पर अब तक 737 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि

किसान रजिस्ट्री में प्रगति बढ़ाने, फॉर्मर आईडी को योजनाओं से जोड़ने तथा डिजिटल क्रॉप सर्वे को और प्रभावी बनाने के निर्देश

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को एग्रीस्टैक स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एग्रीस्टैक के तहत फॉर्मर रजिस्ट्री, फॉर्मर आईडी, डिजिटल क्रॉप सर्वे के साथ डेटा सिंक्रोनाइजेशन, एग्रीस्टैक आधारित उर्वरक वितरण, एमएसपी पर खरीद तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि एग्रीस्टैक का उद्देश्य डिजिटल डाटाबेस तैयार करने के साथ कृषक को उसकी भूमि, फसल एवं कृषि सेवाओं से संबंधित सुविधाएं एकीकृत एवं सुगम रूप से उपलब्ध कराना होना चाहिए। उन्होंने विभागों के मध्य बेहतर समन्वय के साथ एग्रीस्टैक के सभी निर्धारित माइलस्टोन समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि राज्य में अब तक 87 लाख 44 हजार 842 कृषक पंजीकृत हो चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का 96.95 प्रतिशत है। राज्य को एग्रीस्टैक से संबंधित कार्य पूर्ण करने पर अब तक 737 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत हुई है। मुख्य सचिव ने कृषक रजिस्ट्री एवं राजस्व अभिलेखों के बीच नियमित एवं स्वचालित समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इससे नामांतरण के बाद भूमि संबंधी नवीनतम जानकारी स्वतः अपडेट हो सकेगी। उन्होंने नामांतरण के समय आधार संख्या एवं कृषक पहचान संख्या दर्ज करने की व्यवस्था शीघ्र लागू करने तथा संबंधित विभागों के बीच आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने काश्तकारों, बटाईदारों एवं अन्य वास्तविक कृषकों को कृषक रजिस्ट्री में शामिल करने के लिए कार्यविधि को शीघ्र अंतिम रूप देने तथा मैदानी स्तर पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टैक के माध्यम से वास्तविक खेती एवं बटाईदार कृषि व्यवस्था की सटीक जानकारी जुटाई जाए ताकि कृषि योजनाओं का लाभ वास्तविक कृषक तक सुनिश्चित रूप से पहुंच सके।

कृषि पर्यवेक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें

मुख्य सचिव ने फॉर्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा करते हुए शेष कृषकों के पंजीकरण को अभियान के रूप में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कम प्रगति वाले जिलों में विशेष फील्ड विजिट, संभागवार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं प्रशिक्षण तथा कृषि पर्यवेक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि फॉर्मर रजिस्ट्री को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के साथ इसे निरंतर अद्यतन रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए मोबाइल ऐप का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा शेष कृषकों को एसएमएस, समाचार पत्रों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों एवं अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए पंजीकरण के लिए प्रेरित किया जाए।

आवश्यक कार्यवाही में प्रगति बढ़ाने के निर्देश

मुख्य सचिव ने बजट घोषणा के अनुरूप एग्रीस्टैक आयुक्तालय की स्थापना कृषि विभाग के आयुक्तालय में करने एवं स्वतंत्र पद सृजन से संबंधित प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्यवाही में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने एग्रीस्टैक के तहत चिन्हित प्राथमिक सेवाओं को समयबद्ध रूप से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषक रजिस्ट्री के आंकड़ों का उपयोग उर्वरक वितरण, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद एवं अन्य किसान केन्द्रित सेवाओं में करने पर जोर दिया। कृषि विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती मंजू राजपाल ने बैठक में बताया कि राजसंद एवं सिरोही में फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाईजर सेल लागू किया जा चुका है। जिसके अंतर्गत 65 हजार से अधिक किसानों द्वारा 10 हजार मैट्रिक टन से अधिक उर्वरक क्रय किया जा चुका है।

गुप्त वृंदावन धाम में राधा-कृष्ण शिला का पूजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर के जगतपुरा स्थित गुप्त वृंदावन धाम में राधा-कृष्ण शिला काविधिवत पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह मंदिर भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना के साथ ही सनातन संस्कार, शास्त्र और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का केंद्र बनकर उभरेगा। मुख्यमंत्री ने भगवान कृष्ण और भगवान शिव के ब्रज आगमन से जुड़े पौराणिक प्रसंग को साझा किया। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति भक्ति, सेवा एवं करुणा के साथ सकारात्मक जीवन जीने तथा मानव कल्याण का मार्ग दिखाती है। हम सभी को इसी मार्ग पर अग्रसर होते हुए समाज और राष्ट्र हित में कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का अवलोकन किया। साथ ही, गुप्त वृन्दावन धाम द्वारा किए जा रहे धार्मिक, सामाजिक और सेवा कार्यों की भी सराहना की।

सार्थक सेवा संस्थान द्वारा आयोजित किया गया लहरिया महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। सार्थक सेवा संस्थान द्वारा हवाई जहाज रेस्टोरेंट, भारत माता सर्कल में लहरिया महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 170 महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रंग-बिरंगी पारंपरिक लहरिया पोशाकों में सजी महिलाएं बेहद सुंदर नजर आईं। कार्यक्रम की शुरूआत सार्थक सेवा संस्थान परिवार द्वारा गणेश पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। पूनम शर्मा ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। संगठन की अध्यक्ष पुष्पा वशिष्ठ ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रैंप वॉक रहा। रैंप वॉक की जूरी में श्रीमती ओनारिका श्री, रश्मि ब्रांड एंबेसडर ओनारिका क्वींस क्लब तथा सार्थक सेवा संस्थान की आजीवन सदस्य सोनिया अग्रवाल रहीं। रैंप वॉक की मुख्य विजेता एवं कार्यक्रम की ''लहरिया क्वीन'' वर्तिका विजयवर्गीय रहीं। सोलो डांस प्रतियोगिता में जज हंशु अग्रवाल, मिथिलेश गुप्ता, होटल मिस्टिक फॉल्स एवं लक्ष्मी गुप्ता रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मीरा शर्मा, द्वितीय स्थान नीतू शर्मा तथा तृतीय स्थान मधु सिंघल ने प्राप्त किया। युगल नृत्य प्रतियोगिता में पूजा

खत्री और उनकी बेटी दीवा खत्री को विजेता घोषित किया गया। सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि बसंत जैन बैराठी, चेयरमैन, सरस्वती प्रिंटिंग ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज द्वारा प्रायोजित ट्रॉफियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम में अंशु शर्मा, काला अंकित, मिस फोटोजेनिक 2025, आदित्य सुमन चौहान, ग्लेम मिस राजस्थान तथा प्रियंका वर्मा, ब्रांड एंबेसडर, प्रकृति फाउंडेशन सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। चॉक एंड डस्टर की प्रिंसिपल प्रिया आर्य द्वारा भी प्रतिभागियों को उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का बेहद सुंदर संचालन सीमा वालिया ने किया। कार्यक्रम में संस्कृति से संबंधित एवं रोमांचक प्रश्न भी पूछे गए। संस्थान की सदस्य कानन बालाभट्ट, मीना शर्मा, नीतू पारिख, गरिमा जैन, मनु शर्मा, संजू जैन एवं अंजना ज्योति प्रधान ने संस्कृति से संबंधित एवं रोमांचक प्रश्नों के सही उत्तर देने वाली महिलाओं को उपहार प्रदान किए। संस्थान की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित सबसे अधिक उम्र की प्रतिभागी लता तिवारी का भी सम्मान किया गया। साथ ही कार्यक्रम में शामिल होने वाली सभी बच्चियों को उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में सार्थक सेवा संस्थान की सह-संस्थापक बिंदिया शर्मा ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, विजेताओं, टीम के सदस्यों, जूरी, फोटोग्राफर एवं मीडिया का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन किए जाते रहेंगे। मुख्य अतिथि बसंत जैन ने आयोजकों एवं प्रतिभागियों को भारतीय संस्कृति को जीवंत रखने और उसे विकसित करने के साथ-साथ समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य करने के लिए बधाई दी। उन्होंने भविष्य में हर संभव सहयोग करने का आश्वासन भी दिया।

अवधपुरी के पदमप्रभु जिनालय में हुआ श्री पदमप्रभु विधान का दिव्य आयोजन

आगरा. शाबाश इंडिया। शाहगंज के अलबतिया स्थित अवधपुरी के श्री पदमप्रभु जिनालय में रविवार को श्री पदमप्रभु जिनालय परिवार एवं पदमप्रभु महिला मंडल द्वारा श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह से ओतप्रोत श्री पदमप्रभु विधान का भव्य आयोजन सानंद संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 7 बजे श्री पदमप्रभु भगवान के जलाभिषेक एवं शांतिधारा के साथ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। शांत संगीत, मंत्रोच्चारण और भक्तिमय वातावरण ने पूरे जिनालय परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात विधान की विभिन्न पूजन विधियों, मंगलाष्टकों एवं आराधना का क्रम विधि-विधानपूर्वक संपन्न कराया गया। प्रातःकाल से ही अनेक साधर्मी परिवार जिनालय पहुंचकर भगवान पदमप्रभु की आराधना में शामिल हुए और प्रभु की भक्ति में लीन नजर आए। पूरे आयोजन के दौरान श्रीजी के समक्ष निरंतर भक्ति, आराधना और मंगल भावों की धारा प्रवाहित होती रही। विधान की सभी मांगलिक क्रियाएं पंडित विवेक जैन शास्त्री द्वारा संपन्न कराई गईं। विधान के समापन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भगवान पदमप्रभु की मंगल आरती की। इसके पश्चात भक्तों ने नृत्य करते हुए गुरु भक्ति का आनंद लिया और भक्ति के रंग में सराबोर नजर आए। इस दौरान जिनालय परिसर जयकारों और भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। कार्यक्रम में रवि जैन, नरेंद्र कुमार जैन, मनीष जैन, अनिल जैन, राकेश जैन, अमित जैन, दीपचंद जैन, शुभम जैन, निकेत जैन, रिषभ जैन, कविता जैन, रीता जैन, करुणा जैन, पुष्पा जैन, अंजली जैन, रागिनी जैन, शालू जैन, प्रतिज्ञा जैन, रश्मि जैन सहित अवधपुरी जैन समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शुभम जैन: मो. 7535083917

पतंजलि योग सेवा समिति के 57 सदस्यीय दल ने की देव दर्शन यात्रा

तीर्थ क्षेत्रों के दर्शन कर देश-प्रदेश में खुशहाली की कामना

श्रीमहावीरजी. शाबाश इंडिया। श्रावण मास में पतंजलि योग सेवा समिति, मोहन नगर, हिंडौन सिटी की ओर से रविवार को एक दिवसीय देव दर्शन यात्रा का आयोजन किया गया। समिति के 57 सदस्यीय दल ने अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी पहुंचकर भगवान महावीर स्वामी की मूलनायक प्रतिमा के दर्शन किए और देश व प्रदेश में अमन-चैन एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम प्रभारी उपेंद्र कुमार एडवोकेट एवं पूर्व जिला महिला अध्यक्ष पतंजलि योग समिति श्रीमती कुमुदिनी गुप्ता ने बताया कि यात्रा के दौरान सदस्यों ने भगवान महावीर स्वामी की मूलनायक प्रतिमा के दर्शन के साथ ध्यान केंद्र, चरण छत्री, कमल मंदिर आदि के दर्शन किए तथा श्रीमहावीरजी तीर्थ क्षेत्र के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। दर्शन के पश्चात मुख्य मंदिर में सभी सदस्यों ने धर्म चर्चा की। इस अवसर पर मंदिर कमेटी की ओर से पंडित मुकेश शास्त्री एवं विशेष अधिकारी विकास पाटनी ने समिति के सभी सदस्यों का केसर का तिलक लगाकर, साफा व शॉल ओढ़ाकर तथा भगवान महावीर स्वामी की तस्वीर भेंट कर भव्य स्वागत किया। उपेंद्र कुमार एडवोकेट एवं कुमुदिनी गुप्ता ने बताया कि देव दर्शन यात्रा में कुल 57 महिला-पुरुषों ने हिस्सा लिया। यात्रा के दौरान सर्वप्रथम जगदीश मंदिर, कैमरी पहुंचकर भगवान जगदीश की मूलनायक प्रतिमा के दर्शन किए और आरती उतारी। इसके पश्चात राजा मोरध्वज की नगरी गढ़मोरा होते हुए श्रीमहावीरजी पहुंचकर मंदिरों के दर्शन किए तथा देश व प्रदेश में अमन-चैन एवं खुशहाली की कामना की।

नवकार महामंत्र जाप में मेवाड़ की सुख-शांति एवं अच्छी वर्षा की कामना

श्री वर्धमान जैन संस्थान, मीरा नगर में श्रद्धा और जनसेवा का संगम—आगामी रविवार को सघन वृक्षारोपण, स्वतंत्रता दिवस पर ''हर घर तिरंगा'' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

उदयपुर. शाबाश इंडिया

श्री वर्धमान जैन संस्थान, मीरा नगर में स्वर्गीय सुनील जी एवं स्वर्गीय बाबूलाल जी कंठालिया की स्मृति में नवकार महामंत्र जाप का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। सामूहिक जाप के दौरान उपस्थित समाजजनों ने मेवाड़ में अच्छी एवं पर्याप्त वर्षा, सुख-शांति, समृद्धि तथा सर्वजन के मंगलमय जीवन की कामना करते हुए प्रार्थना की। कार्यक्रम में धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सरोकारों एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी महत्वपूर्ण संकल्प लिए गए। संस्थान के संरक्षक हेमंत छाजेड़ ने बताया कि श्री वर्धमान जैन संस्थान द्वारा धार्मिक आयोजनों के साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय गतिविधियों को भी निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में आगामी रविवार को मीरा नगर क्षेत्र में संस्थान के सौजन्य से सघन वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया जाएगा। उन्होंने समाजजनों से अधिकाधिक संख्या में सहभागी बनकर पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

'हर घर तिरंगा' के भाव को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

कार्यक्रम के दौरान आगामी 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा'' के आह्वान को व्यापक जनभागीदारी के साथ साकार करने का संकल्प लिया गया। संस्थान से जुड़े शिक्षाविद् धीरज छाजेड़ ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर में तिरंगा फहराने तथा प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र के प्रति सम्मान, गौरव एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। संस्थान का प्रयास रहेगा कि इस अभियान को सामाजिक सहभागिता से जोड़कर अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाया जाए। संस्थान के सचिव हेमंत जैन ने कहा कि श्री वर्धमान जैन संस्थान द्वारा समय-समय पर समाज की आवश्यकताओं एवं जनभावनाओं से जुड़े धार्मिक, सामाजिक, पर्यावरणीय एवं सेवा कार्य आयोजित किए जाते रहे हैं। संस्थान भविष्य में भी सेवा और सामाजिक सहभागिता की इस परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा। कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष लहर सिंह छाजेड़, उपाध्यक्ष पारस नागोरी, कोषाध्यक्ष विपिन जैन, अशोक सराफ, अशोक भंडारी, दिलीप सिंघवी, नरेंद्र कुमार कंठालिया, डॉ. शैलेंद्र मोगरा, दीपक कच्छारा, अरुण कंठालिया सहित मातृशक्ति में राजल कंठालिया, पुष्पा कंठालिया, चंचल छाजेड़, मीरा छाजेड़, मंजुला सराफ, शांता नागोरी, टीना जैन, रचना जैन, हेमा मोगरा, मीरा कोठारी, अलका जैन, शशिकला कोठारी, शांता देवी सिंघवी, सोनू कंठालिया एवं लीला कंठालिया उपस्थित रहीं। राजल कंठालिया ने कहा कि संस्थान द्वारा धार्मिक आस्था को सामाजिक दायित्व, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रभक्ति से जोड़ने का यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा। नवकार महामंत्र जाप, वृक्षारोपण और ''हर घर तिरंगा'' जैसे अभियानों के माध्यम से समाज में आध्यात्मिकता, सेवा, पर्यावरण जागरूकता और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

108 दिवसीय शांतिनाथ मंडल विधान के 100वें विधान में उमड़े श्रद्धालु

टोंक में संगीतमय शांतिनाथ मंडल विधान में श्रद्धालुओं ने की भक्तिमय आराधना

टोंक. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में श्री शांतिनाथ बड़ा तख्ता जैन मंदिर में चल रहे 108 दिवसीय शांतिनाथ मंडल विधान के तहत रविवार को 100वें विधान का आयोजन हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इंद्र-इंद्राणियों ने मंडल अनुष्ठान में 120 श्रीफल चढ़ाकर पूजा-अर्चना एवं पुण्यार्जन किया। पूजा-आराधना से पूर्व भगवान शांतिनाथ जी एवं भगवान पार्श्वनाथ जी के समक्ष अभिषेक एवं शांतिधारा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विधान के संयोजक पारस चंद सर्राफ एवं पवन कंटान ने बताया कि श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ एवं भगवान पार्श्वनाथ की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात शांतिनाथ मंडल विधान में इंद्र-इंद्राणियों ने भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना कर अर्घ्य समर्पित किए। कमल सर्राफ एवं विनोद सर्राफ ने बताया कि यह अनुष्ठान धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ 2 मई से शुरू होकर 17 अगस्त तक अनवरत जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि विधान का सौभाग्य पारस चंद, सुरेंद्र कुमार, नीटू कुमार एवं अंशुल छामुनिया को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भजन सम्राट एवं गायक कमल सर्राफ तथा गायक विनोद सर्राफ ने भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजनों पर इंद्र-इंद्राणियों ने भक्तिमय नृत्य किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो गया। विधान में समाज के अध्यक्ष भागचंद फूलेता, सुनील सर्राफ, पप्पू, राजकुमार छामुनिया, पिंकू छामुनिया, मनोज फागी, रमेश काला, वीरेंद्र पाटनी, अशोक झिराना, निर्मल छामुनिया सहित इंद्र-इंद्राणियों ने गाजे-बाजे के साथ 120 श्रीफल चढ़ाकर पुण्यार्जन किया। रविवार को सायंकाल आरती, प्रश्न मंच, स्वाध्याय एवं शास्त्र ज्ञान सहित अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान ने बताया कि इस अवसर पर आशीष, नीटू छामुनिया, ओम ककोड़ सहित समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे। पारस सर्राफ ने बताया कि शांतिनाथ मंडल विधान का समापन 17 अगस्त को विश्व शांति महायज्ञ एवं अनेक धार्मिक कार्यक्रमों के साथ होगा।

राजनीति

झूठा 'बेस्टसेलर' टैग

डॉ. प्रियंका सौरभ

छपे हुए पन्ने लेखक के विचार, अनुभव, भावनाओं और रचनात्मक मेहनत का सार होते हैं। अच्छी किताब का पाठक से रिश्ता प्रसिद्धि से अधिक महत्वपूर्ण होता है। लेकिन आज 'बेस्टसेलर' शब्द उपलब्धि से अधिक प्रचार का माध्यम बन जाता है। बिक्री के स्पष्ट आंकड़ों के बिना भी किसी पुस्तक को विज्ञापन और सोशल मीडिया के जरिए बेस्टसेलर बताया जा सकता है। सवाल है कि क्या 'बेस्टसेलर' का लेबल किसी किताब को वास्तव में बेस्टसेलर बना देता है? आदर्श रूप से बेस्टसेलर का अर्थ वास्तविक बिक्री और पाठकों की मांग से होना चाहिए। बिक्री के साथ सूची, प्लेटफॉर्म और अवधि भी स्पष्ट होनी चाहिए। कितनी प्रतियां बिकीं? रैंकिंग किस स्रोत की है? क्या आंकड़ों का स्वतंत्र सत्यापन हुआ है? इन सवालों के जवाब नहीं मिलते तो 'बेस्टसेलर' उपलब्धि से अधिक मार्केटिंग का जुमला बन जाता है। सोशल मीडिया ने इस तरह के प्रचार को आसान बना दिया है। पोस्टर, विमोचन की तस्वीरें, वीडियो और समीक्षाएं पुस्तक की दृश्यता बढ़ा सकते हैं। लेकिन दृश्यता और वास्तविक पाठक संख्या एक ही चीज नहीं हैं। सैकड़ों लाइक्स का अर्थ सैकड़ों पाठक नहीं होता। किसी व्यक्ति की किताब के साथ तस्वीर यह पढ़ने का प्रमाण नहीं है। टिप्पणियां भी पाठकीय जुड़ाव का निश्चित प्रमाण नहीं हैं। किताब खरीदी जा सकती है, लेकिन सच्चा पाठक नहीं खरीदा जा सकता। अभियान, संस्थागत आयोजन या संगठित प्रचार के माध्यम से हजारों प्रतियां बिक सकती हैं। समस्या तब पैदा होती है जब बिक्री बढ़ा-चढ़ाकर लोकप्रियता का भ्रम पैदा किया जाता है। सच्चा पाठक किताब पढ़ता है, विषय पर विचार करता है और दूसरों को पढ़ने की सलाह देता है। लेखक के लिए इससे बड़ी उपलब्धि क्या होगी कि पाठक कहे, 'इस किताब ने मेरा नजरिया बदल दिया।' ऐसी प्रतिक्रिया विज्ञापन से नहीं, गुणवत्तापूर्ण लेखन से मिलती है। समस्या बिक्री तक सीमित नहीं है। पुस्तक समीक्षाओं में भी अतिशय प्रशंसा बढ़ी है। हर नई किताब को 'शानदार', 'अविस्मरणीय' या 'उत्कृष्ट कृति' कहना आलोचना की विश्वसनीयता कम करता है। अच्छी समीक्षा पुस्तक की खूबियों के साथ उसकी कमियों को भी सामने रखती है।

संपादकीय

लोकतंत्र की दक्षता या संघीय ढांचे पर सवाल?

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। लेकिन लगातार होने वाले लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव प्रशासनिक मशीनरी, सरकारी संसाधनों और राजनीतिक व्यवस्था पर दबाव डालते हैं। इसी पृष्ठभूमि में ''एक देश, एक चुनाव'' का प्रस्ताव राष्ट्रीय बहस के केंद्र में है। संसद की संयुक्त समिति इस व्यवस्था की संभावनाओं और चुनौतियों पर विचार कर रही है तथा 2029 के लोकसभा चुनावों से इसे लागू करने की दिशा में रास्ता तलाश रही है। ऐसे में इस विचार पर संवैधानिक और व्यावहारिक दृष्टि से विचार जरूरी है। यह प्रस्ताव नया नहीं है। स्वतंत्रता के बाद 1951-52 से 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव बड़े पैमाने पर एक साथ होते थे। बाद में राजनीतिक अस्थिरता और समय से पहले विधानसभाओं के भंग होने से चुनाव चक्र अलग-अलग हो गया। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति ने 2024 में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की सिफारिश की थी। स्थानीय निकायों के चुनावों को भी निर्धारित समय-सीमा में समन्वित करने का सुझाव दिया गया। समर्थकों का तर्क है कि बार-बार चुनावों से चुनावी खर्च बढ़ता है और प्रशासनिक संसाधनों की लगातार तैनाती करनी पड़ती। संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष प्रस्तुत आर्थिक अध्ययनों में एक साथ चुनाव से लगभग 7 लाख करोड़ रुपये तक का आर्थिक लाभ और सकल घरेलू उत्पाद में करीब 1.5 प्रतिशत तक की वृद्धि का अनुमान व्यक्त किया गया है। हालांकि ये अनुमान हैं, निश्चित परिणाम नहीं। आचार संहिता के कारण विकास कार्यों पर पड़ने वाले प्रभाव और चुनावी ड्यूटी में कर्मचारियों की समस्या कम हो सकती है। दूसरी ओर, विरोध की सबसे बड़ी चिंता संघीय ढांचे को लेकर है। भारत में राज्यों की अपनी निर्वाचित विधानसभाएं हैं। कार्यकाल में बदलाव या समय से पहले चुनाव कराने की व्यवस्था राज्यों की स्वायत्तता पर प्रश्न खड़े कर सकती है। एक साथ चुनाव होने पर राष्ट्रीय मुद्दे स्थानीय समस्याओं पर हावी होने की आशंका है। इससे क्षेत्रीय दलों और स्थानीय आकांक्षाओं की आवाज कमजोर पड़ सकती है। यदि किसी सरकार का कार्यकाल बीच में समाप्त हो जाए, तो नए चुनाव की अवधि को लेकर भी संवैधानिक और राजनीतिक प्रश्न उठते हैं। वर्तमान में संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और संबंधित विधेयक संयुक्त संसदीय समिति के पास हैं। जुलाई 2026 में समिति को अपनी रिपोर्ट के लिए शीतकालीन सत्र के अंत तक अतिरिक्त समय दिया गया। समिति के अध्यक्ष पी.पी. चौधरी ने 2029 तक व्यवस्था लागू करने की संभावना जताई है, लेकिन अंतिम निर्णय संसद की प्रक्रिया और व्यापक राजनीतिक सहमति पर निर्भर करेगा। ''एक देश, एक चुनाव'' प्रशासनिक दक्षता और चुनावी खर्च घटाने की दृष्टि से आकर्षक विचार है, लेकिन लोकतंत्र केवल दक्षता का नाम नहीं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

खास है हरियाली अमावस्या

कांतिलाल मांडोत

सावन मास की अमावस्या को हरियाली अमावस्या के नाम से जाना जाता है। वर्षा ऋतु में धरती हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। यह पर्व धर्म और प्रकृति के अनूठे संबंध का संदेश देता है। इस वर्ष हरियाली अमावस्या 12 अगस्त, बुधवार को मनाई जाएगी। पंचांग के अनुसार अमावस्या तिथि 12 अगस्त की रात तक रहेगी। धार्मिक मान्यताओं में यह दिन भगवान शिव की आराधना, पितरों के स्मरण, दान-पुण्य और पौधारोपण के लिए विशेष माना जाता है। हरियाली अमावस्या केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है। सदियों से इस दिन वृक्ष लगाने, उनकी पूजा करने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने की परंपरा रही है। इस पर्व में धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। सावन भगवान शिव को समर्पित माना जाता है। इसलिए इस अमावस्या पर शिव आराधना का महत्व बढ़ जाता है। श्रद्धालु स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और शिवलिंग पर जल, गंगाजल, बेलपत्र और पुष्प अर्पित करते हैं। ''ॐ नमः शिवाय'' का जाप करते हुए परिवार के सुख, शांति और कल्याण की प्रार्थना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धा से की गई शिव आराधना मन को शांति प्रदान करती है। अमावस्या का संबंध पितरों के स्मरण से भी जोड़ा जाता है। इसलिए हरियाली अमावस्या पर पूर्वजों का तर्पण, स्मरण और दान करने की परंपरा है। श्रद्धालु पवित्र नदी, सरोवर या अन्य जल स्रोत पर स्नान के बाद पितरों का तर्पण करते हैं। जिन लोगों के लिए विधिवत तर्पण संभव नहीं होता, वे घर पर पूर्वजों का स्मरण कर उनके नाम से दान-पुण्य कर सकते हैं। अन्न, वस्त्र और जरूरत की सामग्री का दान भी इस दिन पुण्यकारी माना जाता है। हरियाली अमावस्या का महत्वपूर्ण पक्ष पौधारोपण है। वर्षा ऋतु पौधों के विकास के लिए अनुकूल होती है, इसलिए इस दिन लगाया गया पौधा प्रकृति संरक्षण का प्रतीक बन जाता है। भारतीय परंपरा में पीपल, बरगद, नीम, आंवला, बेल, शमी, कदंब और आम जैसे वृक्षों को विशेष महत्व दिया गया है। इन वृक्षों को धार्मिक मान्यताओं से जोड़ने के पीछे प्रकृति संरक्षण की भावना भी देखी जा सकती है। आज जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, घटते वन क्षेत्र और जल संकट जैसी चुनौतियां सामने हैं। ऐसे समय में हरियाली अमावस्या का पर्यावरणीय संदेश और अधिक प्रासंगिक है। पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं, उसकी नियमित देखभाल भी जरूरी है। इस दिन एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनाने का संकल्प पर्व की भावना को सार्थक कर सकता है। पेड़ छाया, फल और पक्षियों को आश्रय देने के साथ वातावरण के संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में मेले और पारंपरिक आयोजन इस पर्व की सामाजिक पहचान को आज जीवंत रखते हैं। हरियाली अमावस्या हमें याद दिलाती है कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। सेवा, दान, प्रकृति की रक्षा और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता भी धार्मिक जीवन का हिस्सा हैं। जरूरतमंद को भोजन कराना, पक्षियों के लिए पानी रखना, पौधा लगाना और उसकी देखभाल करना इस पर्व की भावना के अनुरूप है। 12 अगस्त को जब श्रद्धालु भगवान शिव की आराधना, पितरों का स्मरण और दान-पुण्य करेंगे, तब प्रकृति संरक्षण का संकल्प इस पर्व को और सार्थक बनाएगा। एक पौधा लगाना और उसे वृक्ष बनने तक संभालना आने वाली पीढ़ियों के लिए सुंदर उपहार है।

सुबोध महाविद्यालय में "फिट इंडिया-संडे ऑन साइकिल" अभियान में गूंजा फिटनेस का संदेश

विद्यार्थियों ने साइक्लिंग एवं जुम्बा के माध्यम से दिया स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय (स्वायत्त), जयपुर में रविवार को ''फिट इंडिया-संडे ऑन साइकिल'' अभियान के अंतर्गत विशेष फिटनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना, राजस्थान के क्षेत्रीय निदेशक श्री एस.पी. भटनागर रहे। उन्होंने विद्यार्थियों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं का स्वस्थ एवं सक्रिय रहना राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से साइक्लिंग, व्यायाम एवं अन्य शारीरिक गतिविधियों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। भारतीय खेल प्राधिकरण की ओर से साईं प्रशिक्षण केंद्र, विद्याधर नगर स्टेडियम, जयपुर के अनुभाग अधिकारी श्री जॉय चाको

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ फिटनेस गतिविधियों में सहभागिता करते हुए साइक्लिंग एवं शारीरिक सक्रियता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि फिटनेस केवल एक दिन की गतिविधि नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का निरंतर हिस्सा होना चाहिए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर के जिला समन्वयक प्रो. गोविंद शरण शर्मा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से सामाजिक एवं राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं फिटनेस को भी प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) रेणु जोशी ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ विचारों का विकास होता है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है और युवाओं को फिटनेस के प्रति जागरूक बनाकर उन्हें राष्ट्र निर्माण की दिशा में अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से 'फिट युवा-फिट भारत' के संकल्प को आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ साइक्लिंग, जुम्बा तथा विभिन्न फिटनेस गतिविधियों में भाग लिया। जुम्बा सत्र ने विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं ऊर्जा का संचार किया, वहीं साइक्लिंग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए फिटनेस को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का वातावरण ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मकता से भरपूर रहा। इस अवसर पर डॉ. अनंत विजया सोनी, डॉ. मुकेश शर्मा, डॉ. विशाल गौत्तम एवं डॉ. राकेश ढाभाई सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण, एनएसएस स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तीर्थों की रक्षा करने के लिए बहुत बड़ा जमीर चाहिए: आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज

इंदौर. शाबाश इंडिया

चतुर्थ पट्टाधीश राष्ट्र संत आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि नए-नए तीर्थ और मंदिर बनें, इनकी भी आवश्यकता है, किंतु हमें अपने पुराने तीर्थों एवं मंदिरों का भी ख्याल रखना होगा। चातुर्मास में एकत्रित राशि का चौथाई भाग तीर्थ रक्षा के लिए सुरक्षित रखना होगा। गिरनार जी के संदर्भ में आचार्य श्री ने कहा कि भगवान हमारे हैं, मूर्तियां हमारी हैं, चरण हमारे भगवानों के हैं और अधिकार जताने वाले कोई और हैं। आज आवश्यकता है निकलंक जैसे धर्म के लिए प्राण न्योछावर करने वालों की। तीर्थों की रक्षा करने के लिए बहुत बड़ा जमीर चाहिए। उन्होंने कहा कि गिरनार जी में पांचवीं टोंक पर जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान की प्रतिमा है, जहां रंग-रोगन कर इतिहास बदलने की कोशिश की जा रही है। पुरातत्व विभाग चुप है। गुरुदेव ने कहा कि आज किसी और का दौर है, कल किसी और का रहेगा। गिरनार हमारा था और आगे भी हमारे ही हाथों में आएगा। आचार्य श्री ने कहा कि तीर्थ और जैन धर्म बना रहेगा तो हजारों-हजार लोगों का उद्धार होगा। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में मंगलाचरण एवं नृत्य समोशरण महिला मंडल द्वारा प्रस्तुत किया गया। दीप प्रज्वलन एवं चित्र अनावरण अतिथियों द्वारा किया गया। गुरुदेव का पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य श्री सुनील जी एवं कल्पना जी जैन परिवार को तथा शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य जे.एम.बी. परिवार, श्रीराम कॉलोनी को प्राप्त हुआ। चातुर्मास स्थापना के कलश श्री मनीष जी एवं सपना गोधा, आनंद जी एवं नवीन जी गोधा तथा सुधीर बिलाला परिवार को कमेटी द्वारा प्रदान किए गए। कार्यक्रम के आयोजक श्री इंद्र कुमार जी एवं वीणा जी सेठी परिवार रहे। उगरियावास से पधारे श्री सुरेंद्र बड़जात्या जी का कमेटी द्वारा विशेष सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री सौरभ पाटोदी, सुरेंद्र बाकलीवाल, हंसमुख गांधी, विमल झांझरी, सुयश बाकलीवाल, प्रवीण पाटनी, राजेश बज, महालक्ष्मी चैनल के श्री शरद जी जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। धर्मसभा का सफल संचालन सुदृढ़मति माताजी एवं कैलाश लुहाड़िया ने किया। आभार डॉ. गिरीश पाटोदी ने व्यक्त किया।

सतीश जैनः प्रचार प्रमुख-दिगंबर जैन समाज, सामाजिक संसद, इंदौर

"दिल्ली गौरव" सम्मान से 31 विभूतियां अलंकृत

गरिमापूर्ण व्यक्तित्व का सम्मान समाज का दायित्व : अर्जुन राम मेघवाल

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

''संस्कृति युवा संस्था'' द्वारा पहली बार ''दिल्ली गौरव सम्मान'' समारोह का आयोजन 9 अगस्त 2026 को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली में किया गया। भारत गौरव, राजस्थान गौरव एवं मुंबई गौरव सम्मान की सफल परंपरा को आगे बढ़ाते हुए संस्था की ओर से दिल्ली की 31 प्रतिष्ठित प्रतिभाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' तथा राजस्थान के पूर्व राज्यपाल श्री कलराज मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि श्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि दिल्ली की विभूतियों को सम्मानित करना अपने आप में एक अनुकरणीय कार्य है। भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने का दायित्व युवाओं पर है और आज जिन प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया है, वे अपने-अपने क्षेत्रों में दिल्ली का नाम रोशन कर रही हैं। डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि व्यक्तित्व का सम्मान समाज का दायित्व है।इस प्रकार के आयोजनों से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलती है।इससे अन्य लोग भी प्रोत्साहित होते हैं और युवा पीढ़ी को उनके पदचिह्नों पर चलने का मार्गदर्शन मिलता है।पूर्व राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने संस्कृति युवा संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था देश के युवाओं को भारतीय संस्कृति की ओर पुनः आकर्षित करने के लिए जो प्रयास कर रही है, वे प्रशंसनीय हैं। युवाओं को भारतीय संस्कृति का बोध कराना और उन्हें इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रेरित करना समय की आवश्यकता है। संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था द्वारा देश की प्रमुख मैराथनों

में शामिल जयपुर मैराथन का आयोजन पिछले 16 वर्षों से निरंतर किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में धावक भाग लेते हैं। इसके अतिरिक्त संस्था देश-विदेश की प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए भारतीय संसद से लेकर ऑस्ट्रेलिया की संसद तक भारत गौरव सम्मान का आयोजन करती आ रही है। संस्था द्वारा नवसंवत्सर स्वागत, वर्ल्ड हेल्थ फेस्टिवल तथा दारू नहीं, दूध से करें जैसे सामाजिक अभियान भी लंबे समय से चलाए जा रहे हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष सुनील खेतपालिया ने बताया कि दिल्ली गौरव सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 31 विभूतियों को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र एवं दुपट्टा देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली विभूतियों में भारतीय शास्त्रीय नृत्यांगना (कथक) श्रीमती शोवना नारायण, ब्रह्माकुमारीज नई दिल्ली केंद्र की प्रभारी राजयोगिनी बी.के. लक्ष्मी जी, आध्यात्मिक मार्गदर्शक परम पूज्य स्वामी प्रेम अन्वेषी जी महाराज, आईएफएस एवं पूर्व विदेश सेवा अधिकारी श्री अखिलेश मिश्रा, नोएडा फिल्मसिटी एवं मारवाह स्टूडियोज के संस्थापक डॉ. संदीप मारवाह, प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर एवं श्री रामलला (अयोध्या) के डिजाइनर श्री मनीष त्रिपाठी, ड्रीमफोक्स सर्विसेज लिमिटेड की संस्थापक, चेयरपर्सन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर सुश्री लिबराथा कल्लाट, ग्लोबल ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल (इंडिया) के संस्थापक अध्यक्ष श्री गौरव गुप्ता, टेक्नोलॉजी विजनरी एवं एआई तथा डिफेंस इनोवेशन लीडर श्री आशीष कुमार, पब्लिक रिलेशन सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक, प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता-निर्देशक, पटकथा एवं संवाद लेखक श्री राज शांडिल्य, पिनाक हेल्थकेयर के निदेशक एवं पार्क ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के सीनियर कंसल्टेंट तथा रीजनल मेडिकल डायरेक्टर डॉ. करण चौधरी, प्रख्यात अधिवक्ता एवं शिक्षाविद श्रीमती विदुषी निशंक, सेवानिवृत्त भारतीय सेना अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज कुमार सिन्हा, जी न्यूज के कंट्री हेड श्री नीरज पांडे, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य श्री गुरिंदर सिंह, गूंज फाउंडेशन के संस्थापक एवं निदेशक श्री अंशु गुप्ता, एबीपी न्यूज के पत्रकार श्री राहुल मिश्रा, शिक्षा भारती की अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गर्ग, पीएम पब्लिशर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री राजेश बजाज, डॉ. अंशुल दीवान, केंद्रीय भंडार के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. मुकेश कुमार, साइबर सिक्योरिटी सर्विसेज के संस्थापक एवं सीईओ श्री शरण झा, जनता ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अविनाश मलिक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड मैनेजमेंट के डॉ. विनोद कश्यप, श्री आशीष कुमार, द वेट क्लिनिक रीवा की संस्थापक सुश्री रेनू सिंह, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता श्री सौरव बैसोया, पॉलिटिकल एडिटर, एंकर एवं वरिष्ठ राजनीतिक पत्रकार श्रीमती अदिति नागर, झाई बास्केट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री शेखर कौशिक तथा मुवलिट के संस्थापक एवं सीईओ श्री मोनू चौहान शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्था की ओर से डॉ. के.सी. परवल, गौरव धामाणी, देवअंजन बोस, अजय शर्मा, विजय लशियाल, सतीश शर्मा, वरुण शर्मा एवं नीलम मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सोम्यता मिश्रा ने किया। अंत में कार्यक्रम संयोजक डॉ. के.सी. परवल ने सभी अतिथियों, सम्मानित प्रतिभाओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

45वें नि:शुल्क हड्डी रोग जांच शिविर में 77 मरीज लाभान्वित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्रीमती गुणमाला देवी (स्व. कमलकुमार जैन) पाण्ड्या के सौजन्य से रविवार को 45वां नि:शुल्क हड्डी रोग जांच शिविर आयोजित किया गया। अरिहंत हेल्थ केयर सेंटर, राजकीय चिकित्सालय के पास आयोजित शिविर में हड्डी, जॉइंट, लिगामेंट एवं घुटना रिप्लेसमेंट सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन (राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर) ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर का शुभारंभ दानदाता वीर कैलाश चंद जैन पाण्ड्या, नरेन्द्र, सुशीला एवं शालिनी गंगवाल मीठड़ी, शिविर संयोजक वीर गोरधन मालवीय, वीर सुभाष गंगवाल, वीर भानु प्रकाश औदिच्य, अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, सचिव वीर अजित पहाड़िया, नरेश जैन एवं डॉ. जितेश जैन ने किया। वीर संदीप पाण्ड्या एवं तेजकुमार बडजात्या ने बताया कि शिविर में कुचामन शहर सहित नवलगढ़, किशनगढ़, डीडवाना, मकराना, नावां, मीठड़ी, पलाड़ा, मारोठ, करकेड़ी, राणासर, श्रवणपुरा, आसनपुरा एवं हिराणी सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए 77 मरीज लाभान्वित हुए। शिविर में 35 एक्स-रे एवं 24 रक्त संबंधी जांचें नि:शुल्क की गईं तथा मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. रिषिका गोड़ ने शिविर में उपस्थित जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क फिजियोथैरेपी प्रदान की। संस्था के सुभाष पहाड़िया ने बताया कि शिविर का पार्षद गोरीशंकर सर्राफ, समाजसेवी राजकुमार फौजी एवं अशोक पहाड़िया ने अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि महानगर के ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं कुचामन में उपलब्ध होने से आमजन को काफी लाभ मिल रहा है। उन्होंने महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए साधुवाद दिया। वीर सुरेंद्र सिंह दीपपुरा ने बताया कि महेश लढ़ा, शबाना, जितेंद्र एवं सुरजीत का शिविर के आयोजन में सराहनीय सहयोग रहा। अंत में वीर अजित पहाड़िया ने चिकित्सक, सहयोगियों, दानदाताओं एवं शिविर में पहुंचे सभी मरीजों के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

— वीर सुभाष पहाड़िया

राघौगढ़ में हुआ चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह

मुनिराज का चातुर्मास होना राघौगढ़ का सौभाग्य

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, महान तपस्वी एवं ओजस्वी वक्ता तथा बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागर जी एवं मुनि ओंकार सागर जी महाराज के पावन चातुर्मास मंगल कलश स्थापना का मांगलिक कार्यक्रम राघौगढ़ में आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज की संगीतमय सामूहिक पूजन के साथ प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में प्रथम कलश अशोक कुमार एवं अतुल कुमार भरसूला परिवार, द्वितीय कलश डॉ. अजित रावत एवं अनिल कुमार रावत परिवार, तृतीय कलश सिंघी अशोक कुमार एवं राजेश कुमार भारिल्य परिवार, चौथा कलश रमेश चंद्र, प्रदीप कुमार एवं डॉ. संतोष माल्या परिवार, पांचवां कलश प्रमोद कुमार एवं प्रियंक कुमार चौधरी तथा छठा कलश अखिलेश कुमार जैन, कॉलोनाइजर, गुना द्वारा स्थापित किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठाचार्य तरुण भैया ने कहा कि राघौगढ़वासियों का यह सौभाग्य है कि दो मुनिराज का चातुर्मास राघौगढ़ में होने जा रहा है। कार्यक्रम में विद्यासागर दिगंबर जैन पाठशाला के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राघौगढ़ की बहू एवं सुप्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना श्रीमती प्रेरणा जैन ने नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं सुसनेर की ओंकार बालिका मंडल ने नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। मुनि श्रमण सागर जी महाराज द्वारा लिखित 114 कविताओं के काव्य संग्रह की पुस्तिका ''श्रमण धारा'' का कार्यक्रम में विमोचन किया गया। काव्य संग्रह की जानकारी भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक विजय कुमार जैन ने दी। कार्यक्रम में मुनिराज के गृहस्थ जीवन के परिजनों का जैन समाज राघौगढ़ की ओर से सम्मान किया गया। अतिथियों का स्वागत जैन समाज के अध्यक्ष अशोक कुमार भारिल्य ने किया। कार्यक्रम में सागर, महाराजपुर, दिल्ली, गंजबासौदा, गोटेगांव, सुसनेर, गुना, शाढ़ौरा, नलखेड़ा, बीनागंज-कुंभराज, जामनेर, रुठियाई, धरनावदा, एनएफएल विजयपुर, साडा कॉलोनी सहित विभिन्न स्थानों से श्रद्धालु पधारे और बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

जैन फ्रेंड्स कपल ग्रुप का 25 सदस्यीय दल तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा पर रवाना

अजमेर. शाबाश इंडिया

जैन फ्रेंड्स कपल ग्रुप, सोनीनगर, अजमेर का 25 सदस्यीय दल रविवार सुबह तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा पर रवाना हुआ। यात्रा का शुभारंभ प्रातः 6 बजे सोनीनगर जैन मंदिर से हुआ। यह यात्रा 9 से 11 अगस्त तक आयोजित की जा रही है। ग्रुप के संजय कुमार जैन ने बताया कि यात्रा के दौरान श्रद्धालु श्रीनाथजी, हल्दीघाटी, कुंभलगढ़, रणकपुर, फालना, जीरावला पार्श्वनाथ, जवाई बांध एवं नाकोड़ा तीर्थ सहित मार्ग में आने वाले प्रमुख जैन तीर्थों के दर्शन करेंगे। यात्रा का संचालन एवं मार्गदर्शन पारस दोसी करेंगे। उन्होंने बताया कि दल में 11 दंपतियों सहित कुल 25 सदस्य शामिल हैं। इनमें निर्मल गंगवाल, पारस दोसी, नवीन कासलीवाल, दीपक दोसी, रविंद्र गोधा, विनोद दोसी, राजेश पाटनी, सुभाष शाह, मनोज कासलीवाल, संजय कुमार जैन एवं श्याम बड़जात्या सहित अन्य सदस्य सम्मिलित हैं। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कमल गंगवाल, दीपक जैन पटवा एवं विजय पांड्या ने यात्रा पर रवाना होने वाले सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की कामना की।

सतीश-मधु बाकलीवाल को मिला चातुर्मास कलश का सौभाग्य

पुणे. शाबाश इंडिया। आचार्य प्रणाम सागर जी गुरुदेव के चातुर्मास कलश स्थापना समारोह में आचार्य श्री के करकमलों से जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक के अध्यक्ष एवं जयपुर निवासी सतीश-मधु बाकलीवाल को मंगल कलश प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उन्होंने सपरिवार गुरुदेव को श्रीफल भेंट कर उनका मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

डॉ. अखिल बंसल का स्वर्णिम अभिनंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया

टोडरमल स्मारक भवन में 50 वर्षों तक समर्पण एवं निःस्वार्थ भाव से सेवाएं देने पर ''डॉ. अखिल जी बंसल'' का शिविर में सार्वजनिक अभिनंदन किया गया। डॉ. बंसल ने ''आत्मधर्म'' हिंदी साहित्य प्रकाशन विभाग तथा अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के संस्थापन सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। पत्रकारिता जगत में भी वे अनेक राष्ट्रीय पदों पर कार्यरत हैं तथा विभिन्न संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुके हैं। वे पिछले 45 वर्षों से ''समन्वय वाणी'' पाक्षिक पत्रिका का संपादन एवं प्रकाशन कर रहे हैं। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय संस्था ''अथाई मीडिया इंटरनेशनल'' के संस्थापक, अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत्परिषद के महामंत्री, अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ के महामंत्री, सोशल मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा राजस्थान अधिस्वीकृत पत्रकार संघ के संयोजक सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रहे हैं। निडर एवं सकारात्मक आलोचक, सभी से स्नेहिल संबंध रखने वाले, हंसमुख एवं बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ. बंसल का अभिनंदन कर सभी ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस सम्मान के लिए डॉ. अखिल बंसल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

श्रावण मास की फुहारों के बीच पाठशाला के बच्चों ने की प्राचीन जिनालयों की दर्शन यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मुनिसुव्रतनाथ फाउंडेशन द्वारा संचालित संस्कार पाठशाला के तत्वावधान में जयपुर की चारदीवारी स्थित प्राचीन जैन मंदिरों की एक दिवसीय दर्शन यात्रा श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुई। समन्वयक अभिषेक सांघी ने बताया कि रिमझिम बारिश के सुखद मौसम में बच्चों एवं अभिभावकों ने भक्तिभाव के साथ बड़ा मंदिर, चौबीस महाराज मंदिर, फागी मंदिर एवं बैराठी मंदिर सहित शहर के अनेक ऐतिहासिक जिनालयों के दर्शन किए। पाठशाला शिक्षक मंडल से मोना जैन एवं तोशी जैन ने बताया कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराना था। बच्चों ने प्राचीन वास्तुकला एवं मूर्तिकला को बड़े चाव से समझा तथा मंदिरों के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व की जानकारी प्राप्त की। यात्रा में निर्मला सांघी, सुधीर किरण, दर्पण बरखा बिलाला, दीपक ऋतु बोहरा, मैना गंगवाल, रिखिल पायल गांधी, धीरेन्द्र, अंकित नेहा मित्रपुरा सहित पाठशाला की अध्यापिकाओं, अभिभावकों एवं बच्चों ने सहभागिता की। सभी के सम्मिलित प्रयास से यह आयोजन अत्यंत मंगलमय रहा। आयोजकों ने इस दर्शन यात्रा को बच्चों में धर्म एवं संस्कारों का बीजारोपण करने वाला एक अनूठा एवं अनुकरणीय प्रयास बताया।

उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य में रविवारीय विशेष प्रवचन श्रृंखला का आयोजन

शिक्षा किताबों से मिल सकती है, पर ज्ञान अनुभव से ही मिलता है : उपाध्याय श्री ऊर्जयन्त सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया। भट्टारक जी की नसियां में वर्षायोग प्रवासरत उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य में रविवारीय विशेष प्रवचन श्रृंखला के तहत प्रवचन सभा जैन भवन में आयोजित हुई। इसमें विदुषी प्रो. (डॉ.) सुषमा सिंघवी ने ''दुखी होना पाप है'' विषय पर सरल भाषा में विचार रखते हुए कहा कि व्यक्ति को वर्तमान में जीना चाहिए तथा स्वयं के भीतर जीना चाहिए। दूसरों से अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए। इच्छाओं की पूर्ति से दुख दूर नहीं होता, बल्कि स्वयं के भीतर उतरने में ही संतोष मिलता है और ''प्राप्त को पर्याप्त मानने'' में ही सुख की अनुभूति होती है। इससे पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी डॉ. एन.के. खींचा ने सुषमा सिंघवी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व से सभा को अवगत कराया। सभा को संबोधित करते हुए उपाध्याय श्री ने कहा कि शिक्षा किताबों से मिल सकती है, पर ज्ञान अनुभव से ही मिलता है। उपाध्याय श्री ने अनेक उदाहरणों के माध्यम से विषय की सूक्ष्मता पर प्रकाश डालते हुए जीवन की विभिन्न समस्याओं के समाधान बताए। वर्षायोग समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल, महामंत्री सुखानंद जैन एवं सुभाष जौहरी ने अतिथियों का तिलक एवं माला पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन प्रकाश चंद चोरुवाले, अनिला छाबड़ा, पूनम ठोलिया, दौलत जी फागीवाला एवं मनीष बैद ने किया। मंगलाचरण जितेंद्र जैन (जीतू) ने किया। सभा का संचालन मुख्य संयोजक रुपेंद्र छाबड़ा ने किया।

कोटा सिर्फ कोचिंग नगरी नहीं, स्थापत्य और विरासत का भी समृद्ध केंद्र

कोटा की स्थापत्य विरासत ने देशभर के विशेषज्ञों को किया आकर्षित, रिवर फ्रंट पर कला के रंगों में उतरी शहर की पहचान

कोटा. शाबाश इंडिया

चंबल के तट पर विकसित कोटा रिवर फ्रंट रविवार को देशभर से आए वास्तुविदों, आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनर्स, लैंडस्केप विशेषज्ञों और नगर नियोजकों के लिए सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि जीवंत स्थापत्य प्रयोगशाला बन गया। ''नेक्ससंगम-2026'' के दूसरे दिन विशेषज्ञों ने कोटा की स्थापत्य विरासत, शहरी विकास और रिवर फ्रंट की विविध संरचनाओं को करीब से देखा और अपनी दृष्टि से उन्हें कागज पर उकेरा। इंजीनियर राजेश गुप्ता ने बताया कि दिन की शुरूआत रिवर फ्रंट पर योग गुरु इंजीनियर मनीष जैन के नेतृत्व में योग सत्र से हुई। इसके बाद विशेषज्ञों ने रिवर फ्रंट के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण कर इसकी वास्तुकला, लैंडस्केप, सार्वजनिक स्थलों, जल संरचनाओं और सौंदर्यबोध का अवलोकन किया। चंबल माता मंदिर, हेरिटेज चबूतरा, राजस्थानी घाट, मुकुट महल, कनक महल, नंदी प्रतिमा, चंबल माता की प्रतिमा, गन मेटल की मूर्तियां, ऑक्सीजोन तथा विभिन्न घाटों और विकसित लैंडस्केप क्षेत्रों ने विशेषज्ञों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इंजीनियर मनीष जैन ने बताया कि किसी ने घाटों की स्थापत्य रेखाओं को कागज पर उतारा तो किसी ने चंबल के प्रवाह और उसके किनारों के लैंडस्केप को अपनी कला का विषय बनाया। किसी कलाकार ने भव्य चंबल माता मंदिर को चित्रित किया तो किसी ने मुकुट महल और हेरिटेज क्षेत्र की बारीकियों को रेखांकन के माध्यम से प्रस्तुत किया। कुछ विशेषज्ञों ने रिवर फ्रंट की मूर्तिकला, घाटों की सीढ़ियों और सार्वजनिक स्थानों की संरचना को अपनी रचनात्मक दृष्टि से कागज पर उतारा। इस दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों से आए विशेषज्ञों ने कोटा के विकास मॉडल और स्थापत्य प्रयोगों पर अपनी राय भी साझा की। उन्होंने कहा कि कोटा की पहचान केवल शिक्षा नगरी के रूप में नहीं, बल्कि हाड़ौती की समृद्ध स्थापत्य एवं सांस्कृतिक विरासत के कारण भी है। चंबल रिवर फ्रंट ने शहर की नदी से जुड़ी पहचान को नए रूप में सामने रखा है। यहां परंपरा, आधुनिकता, कला, लैंडस्केप और सार्वजनिक उपयोगिता को एक साथ देखने का अवसर मिलता है। राजेश गुप्ता ने कहा कि ''विरासत, अनुभव और विदाई'' के तहत ''विजन कोटा–उद्देश्य के साथ मिशन'' कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें प्रतिभागियों को चित्रांकन, मार्गदर्शित शैक्षणिक भ्रमण और कोटा की विरासत एवं स्थापत्य की अनुभवात्मक यात्रा कराई गई। इस दौरान कोटा के ऐतिहासिक स्वरूप, आधुनिक शहरी विस्तार, पर्यटन की संभावनाओं तथा भविष्य के नगर नियोजन पर भी विचार-विमर्श हुआ। आर्किटेक्ट निरुत्तम सिंह राठौर ने कहा कि ''नेक्ससंगम-2026'' का उद्देश्य केवल विशेषज्ञों का सम्मेलन करना नहीं, बल्कि विभिन्न विधाओं के बीच संवाद स्थापित कर ऐसे विचार सामने लाना है, जो आने वाले समय में शहरों के विकास की दिशा तय कर सकें। कोटा की विरासत और रिवर फ्रंट का प्रत्यक्ष अनुभव इस आयोजन को विशेष आयाम प्रदान कर रहा है। कमलेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजन से जुड़े विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया तथा उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर शुभकामनाएं दी गईं। एमओसी की भूमिका इंजीनियर मनीष जैन, आर्किटेक्ट अंशिका गोयल एवं इंटीरियर डिजाइनर राजविंदर कौर ने निभाई। आयोजन समिति में कमलेश शर्मा, ब्रजेश मुक्तावत, मनीषा मुक्तावत, जे.के. शर्मा, राजेश गुप्ता, निरुत्तम सिंह राठौर, भुवनेश लाहोटी, ओम जैन, राकेश जड़िया, पीयूष लाहोटी, सचिन शर्मा, सौरभ गुप्ता, आर्किटेक्ट पराग जैन, आर्किटेक्ट श्रद्धा लाहोटी, इंजीनियर सचिन शर्मा, इंटीरियर डिजाइनर राजविंदर कौर, दीपिका शक्तावत सहित अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। देशभर से पहुंचे विशेषज्ञों में आर्किटेक्ट संदीप दंडवते, कपिल तिवारी, विकास जैन, रीमा गुप्ता, पीयूष परेता, शहनवाज खान, अंशिका गोयल, इंटीरियर डिजाइनर अजीज बोहरा, मनीषा शिवानानी एवं तौसीफ अंसारी सहित अनेक विशेषज्ञ शामिल रहे। गुरुग्राम के वास्तुविद राजीव खन्ना एवं सबीना वीना खन्ना ने लैंडस्केप से जुड़े पहलुओं का अवलोकन किया। वास्तुविद निरुत्तम सिंह राठौड़ ने भी कोटा की स्थापत्य संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए।

मुनि, डॉक्टर, वकील और इंजीनियर के रूप में समाज को जागृत कर रहे जैन साधु : आर्यिका सुबोधमति

फागी. शाबाश इंडिया। पार्श्वनाथ चैत्यालय में आर्यिका श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका सुबोधमति माताजी ससंघ के सान्निध्य में धार्मिक आयोजन हुआ। राजस्थान जैन महासभा शाखा फागी के महामंत्री राजाबाबू गोधा ने बताया कि प्रातः श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका सुबोधमति माताजी ने कहा कि जैन मुनि समाज को सांस्कारिक एवं आध्यात्मिक रूप से जागृत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि मुनि आत्मा के डॉक्टर हैं, जो मोह, क्रोध और लोभ जैसे विकारों का उपचार करते हैं। वे वकील की तरह सत्य-अहिंसा एवं न्याय का मार्ग दिखाते हैं और इंजीनियर की तरह मन, वचन एवं काया के विकारों को साधकर आत्मा को शुद्ध करते हैं। कार्यक्रम में 3 वर्षीय विधि जैन ने 24 तीर्थंकरों के नाम बताकर सभी का मन मोह लिया। उसे पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

आदिनाथ स्वामी मंदिर में बच्चों को सिखाई विधिवत पूजा पद्धति

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर आदिनाथ स्वामी में प्रबंधकारिणी कमेटी के संयोजन में पंडित रमेश गंगवाल द्वारा जैन समाज के छोटे-छोटे बच्चों को पूजा करने की विधिवत जानकारी प्रदान की गई। रमेश गंगवाल के सान्निध्य में सभी बच्चों ने भावपूर्ण तरीके से पूजा संपन्न कर आनंद प्राप्त किया। प्रबंधकारिणी समिति की ओर से प्रदीप छाबड़ा, कैलाश बिंदायक्या (मंत्री), सुरेश छाबड़ा (कोषाध्यक्ष) सहित अन्य गणमान्य सदस्यों ने उपस्थित रहकर भक्ति का आनंद लिया एवं बच्चों का उत्साहवर्धन किया। पार्श्वनाथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मधु हाड़ा, सुनीता गंगवाल एवं सपना पाटनी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। ममता सांघी, धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री धनेश सांघी (मिक्की), के प्रयासों से करीब 40 बच्चों ने पूजा करने की विधिवत जानकारी प्राप्त की। पूजन सामग्री श्रीमती पुष्पा-प्रदीप छाबड़ा (उपाध्यक्ष) की ओर से उपलब्ध कराई गई। पूजा के पश्चात बच्चों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था प्रदीप दीवान (अध्यक्ष) द्वारा की गई। बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए पुरस्कारों का वितरण श्रीमती शांति देवी पापड़ीवाल की ओर से उनके पुत्र मनोज पापड़ीवाल एवं पुत्रवधू श्रीमती कविता पापड़ीवाल द्वारा किया गया।

संत रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर किशनगढ़ में भव्य कलश यात्रा का स्वागत

किशनगढ़. शाबाश इंडिया। संत श्री रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में जन्मभूमि वाराणसी से निकली कलश यात्रा के किशनगढ़ पहुंचने पर आर.के. कम्युनिटी सेंटर में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रसंत 108 जैनाचार्य श्री विहर्ष सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी, आचार्य 108 श्री विराग सागर जी एवं आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के चित्रों के अनावरण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, भाजपा अजमेर जिलाध्यक्ष रमेश सैनी एवं भाजपा युवा नेता महेंद्र पाटनी ने चित्रों के समक्ष अर्घ्य अर्पित कर पुण्यार्जन किया। कार्यक्रम का संचालन कमल बैद ने किया। मुनि श्री 108 विजयेश सागर जी महाराज ने कहा कि संतों की संगति से राग-द्वेष मिटते हैं। संत रविदास जी की जयंती मनाने का उद्देश्य उनके जीवन के संदेशों को आत्मसात करना है। आचार्य श्री विहर्ष सागर जी महाराज ने कहा कि भगवान महावीर ने ''निर्मल मन ही तीर्थ है'' का संदेश दिया, वहीं संत रविदास जी ने ''मन चंगा तो सब चंगा'' कहा। उन्होंने कहा कि सच्चे संत की कोई जाति नहीं होती। भारत संतों की भूमि है और संत समाज का कल्याण करने वाले होते हैं। समारोह में संत नंदराम जी महाराज, हरेंद्र जी एवं यशेंद्र जी महाराज, श्रीराम संतोष जी महाराज तथा संत छोग्नाराम महाराज सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे।

मनुष्य जन्म मिलना आसान नहीं है : मुनि श्री विश्व विजय सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज एवं पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य सरल स्वभावी श्री 108 विश्व विजय सागर जी मुनिराज के सान्निध्य में रविवार, 9 अगस्त 2026 को शांति धारा का आयोजन किया गया। शांति धारा के पुण्यार्जक वीरेंद्र गोदीका एवं निर्मला गोदीका के पौत्र तथा आनंद-प्रतिभा के सुपुत्र लोचन गोदीका को बीए की डिग्री प्राप्त करने के उपलक्ष्य में प्रदीप कुमार-कामिनी, पीयूष-आकांक्षा गोदीका परिवार एवं पवन कुमार-सरोज, प्रतीक-रुचि, आध्या-मानवी गोदीका परिवार, अशोक, सात्विक, अक्षय, घनिष्ठ, सुमन, अंजली, अनायास, गाव्या एवं एकता जैन खेड़ली वाले परिवार ने पुण्यार्जन किया। मंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया कि भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ, मानसरोवर संभाग, जयपुर के तत्वावधान में 175 यात्रियों का समूह बसों द्वारा विभिन्न मुनि-आर्यिकाओं के दर्शन करते हुए श्री 108 विश्व विजय सागर जी महाराज के दर्शनार्थ पारस विहार, मुहाना मंडी स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचा। यहां पवन कुमार गोदिका के नेतृत्व में मंदिर कमेटी, चातुर्मास कमेटी एवं महिला मंडल ने आगंतुक श्रद्धालुओं का स्वागत किया। इसके पश्चात सभी साधर्मी बंधुओं ने सामूहिक वात्सल्य भोजन ग्रहण किया। मुनि श्री ने आशीर्वचन में 300 वर्ष प्राचीन मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा को अतिशयकारी बताते हुए कहा कि मनुष्य जन्म मिलना आसान नहीं है। बड़े पुण्य से मनुष्य जन्म प्राप्त होता है, लेकिन इस जीवन को सार्थक बहुत कम लोग कर पाते हैं। लोगों को संपत्ति तो मिल जाती है, लेकिन उसका सदुपयोग बहुत कम लोग ही कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी बड़े सौभाग्यशाली हैं, जो इन चलते-फिरते तीर्थों के दर्शन कर पा रहे हैं।

राजवंश पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ ''नशा मुक्ति प्रतिज्ञा'' कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मेडिकल विंग द्वारा भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से संचालित ''नशा मुक्त भारत अभियान'' के तहत ''10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान-2026'' का आयोजन देशभर में 6 से 20 अगस्त तक किया जा रहा है। इसी क्रम में राजवंश पब्लिक स्कूल, बरकत नगर में विद्यार्थियों के बीच नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने एवं स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जागरूकता एवं प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल निदेशक सीता चौहान एवं सचिव अनिमेष चौहान, डॉ. एस.के. नग्यान, विजय लक्ष्मी, निरूपमा दीदी एवं सीमा दीदी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव एवं स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जागरूक किया गया तथा ''नशा मुक्त भारत प्रतिज्ञा'' का सामूहिक संकल्प दिलाया गया। विद्यालय को ब्रह्माकुमारीज मेडिकल विंग की ओर से सहभागिता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। महाअभियान का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर स्वस्थ, जागरूक एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाना है। अभियान के तहत देशभर में बड़ी संख्या में नागरिकों को नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन ने इस सामाजिक जागरूकता अभियान को विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य नवल जैन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

भारतवर्षीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल की टीम ने किया कोटा क्षेत्र का दौरा

मुनि श्री योग सागर जी एवं आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी का लिया आशीर्वाद

कोटा. शाबाश इंडिया

भारतवर्षीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल की टीम ने अंचल अध्यक्ष राजकुमार कोठारी के नेतृत्व में कोटा क्षेत्र का दौरा कर स्थानीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की। कमेटी के राजस्थान अंचल के कार्यकारी अध्यक्ष महेश काला ने बताया कि बैठक के पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने कोटा में चातुर्मास कर रहे निर्यापक मुनि श्री 108 योग सागर जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कोटा के पदाधिकारियों ने तीर्थ क्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल के अध्यक्ष राजकुमार कोठारी, कार्यकारी अध्यक्ष महेश काला एवं अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा कमेटी के मंत्री हेमंत सोगानी का माल्यार्पण कर सम्मान किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने केशोरायपाटन पहुंचकर आर्यिका श्री 105 स्वस्ति भूषण माताजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भारतवर्षीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार कोठारी, कार्यकारी अध्यक्ष महेश काला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संदीप जैन एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जे.के. जैन, मुख्य संरक्षक हेमंत सोगानी एवं ज्योतिषाचार्य विनोद जैन शास्त्री सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कमेटी के राजस्थान अंचल के कार्यकारी अध्यक्ष महेश काला ने बताया कि बैठक के पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने कोटा में चातुर्मास कर रहे निर्यापक मुनि श्री 108 योग सागर जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

तीर्थंकर नामकर्म प्रकृति का बंध आहार दान देने से होता है : मुनि श्री हितेंद्र सागर जी

सीकर में 19 अगस्त को 7 दीक्षाएं होंगी

सीकर. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज संघ सहित पारस भवन, दंग की नसिया, बजाज रोड, सीकर में विराजित हैं। आचार्य वर्धमान सागर धर्म वात्सल्य वषायोग चातुर्मास समिति एवं श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर बीस पंथ आम्नाय प्रबंध समिति द्वारा सकल दिगंबर जैन समाज सीकर के सहयोग से आगामी 19 अगस्त को आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज द्वारा 7 साधकों को जैनेश्वरी दीक्षा दंग की नसिया, पारसनाथ भवन परिसर, सीकर में प्रदान की जाएगी। पूर्व से दीक्षित क्षुल्लक श्री प्राप्ति सागर जी एवं श्री प्रतिज्ञा सागर जी मुनि दीक्षा तथा क्षुल्लिका श्री प्रदीप्तमति जी आर्यिका दीक्षा ग्रहण करेंगी। प्रतिमाधारी अणुव्रती श्री नवरत्न पाटनी,

जयपुर, श्री महावीर जैन, बनेठा, श्रीमती शकुंतला देवी कोठिया एवं श्रीमती मनोरमा जैन, सनावद को आचार्य श्री अपने सिद्धहस्त करकमलों से दीक्षा प्रदान करेंगे। इस अवसर पर 3 दिवसीय कार्यक्रम में अनेक धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होंगे। आचार्य श्री धर्मसागर सभागृह में प्रवचन देते हुए मुनि श्री हितेंद्र सागर जी ने कहा कि भगवान से यही प्रार्थना करनी चाहिए कि हमारे दुखदायी कर्म नष्ट हों और हमें बोधि, समाधि एवं ज्ञान की प्राप्ति हो। भगवान के गुण हमें प्राप्त हों। धार्मिक कार्य श्रद्धा, विश्वास एवं आस्था के साथ करने चाहिए। श्रद्धा मजबूत होनी चाहिए, दूषित या मैली नहीं। त्रिलोकीनाथ की कृपा से सभी कार्य संपन्न होते हैं, इसलिए मन, वचन और काय से एकाग्रतापूर्वक भक्ति करनी चाहिए। धार्मिक उदाहरण देते हुए मुनि श्री ने कहा कि चंदना ने महामुनिराज भगवान महावीर स्वामी का पड़गाहन किया तो अतिशय के प्रभाव से रूखा-सूखा भोजन भी व्यंजनों से परिपूर्ण हो गया। जिस प्रकार भगवान चर्या करते थे और आशीर्वाद देते थे, उसी प्रकार आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज चतुर्थकालीन चर्या का पालन करते हुए आशीर्वाद प्रदान कर रहे हैं। मुनि श्री ने कहा कि अशुद्ध भोजन एवं अशुद्ध पानी से शरीर रोगी होता है, जबकि शुद्ध भोजन से शरीर स्वस्थ रहता है। डॉ. राजेश पंचोलिया के अनुसार, मुनि श्री ने आगे बताया कि पानी की बूंद जब सीप में गिरती है तो मोती बन जाती है और सर्प के मुंह में जाने पर विष बन जाती है। भगवान का अभिषेक करने से वही जल पावन गंधोदक बन जाता है। इसीलिए कहा गया है, ''जैसा पियो पानी, वैसी निकले वाणी।'' आचार्य श्री के कमंडल का जल भी औषधि के समान है। मुनि श्री ने कहा कि सभी को खान-पान एवं वेशभूषा में जैन कुल की मर्यादा नहीं भूलनी चाहिए। तीर्थंकर नामकर्म प्रकृति का बंध आहार दान देने से होता है। श्रीकृष्ण भगवान ने आहार दान दिया था, जिससे उन्होंने तीर्थंकर प्रकृति का बंध किया। आहार दान से अनेक प्रकार की लक्ष्मी की प्राप्ति होती है और दुर्लभ से दुर्लभ वस्तु भी प्राप्त हो सकती है।

– डॉ. राजेश पंचोलिया

आदिवासी दिवस पर सेवा की अनूठी मिसाल

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के 50 बच्चों एवं जरूरतमंदों को दी खुशियों की सौगात

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 ई-2 के प्रांतीय स्लोगन 'फ्लाइट ऑफ ड्रीम' के अंतर्गत मिशन मुस्कान कार्यक्रम को क्रियान्वित करते हुए लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा उदयपुर जिले के ग्रामीण एवं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र तहसील झाड़ोल के पारेवी गांव में सेवा प्रकल्प आयोजित किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना ने बताया कि समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, दिल्ली निवासी राजेश जैन एवं अजमेर के अन्य होजरी व्यवसायियों के सहयोग से गांव के 50 बालक-बालिकाओं सहित जरूरतमंद पुरुषों एवं महिलाओं को नए वस्त्र प्रदान किए गए। इस दौरान पैंट-शर्ट, सलवार सूट, लोअर एवं टी-शर्ट वितरित कर जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम संयोजक एवं प्रांतीय सभापति मिशन मुस्कान लायन अतुल पाटनी के माध्यम से अजमेर से उदयपुर क्लब के पूर्व सदस्य घनश्याम सोनी के पास नए वस्त्रों की सेवा भेजी गई। आदिवासी दिवस के अवसर पर ग्राम के स्थानीय एवं सामाजिक कार्यकर्ता नानालाल एवं मंजू देवी के आतिथ्य में जरूरतमंदों को क्रमबद्ध रूप से वस्त्र वितरित किए गए। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता नानालाल ने कहा कि गांव में पहली बार किसी संस्था द्वारा इस प्रकार का सेवा प्रकल्प आयोजित कर ग्रामवासियों को खुशी और मुस्कुराने का अवसर दिया गया है।

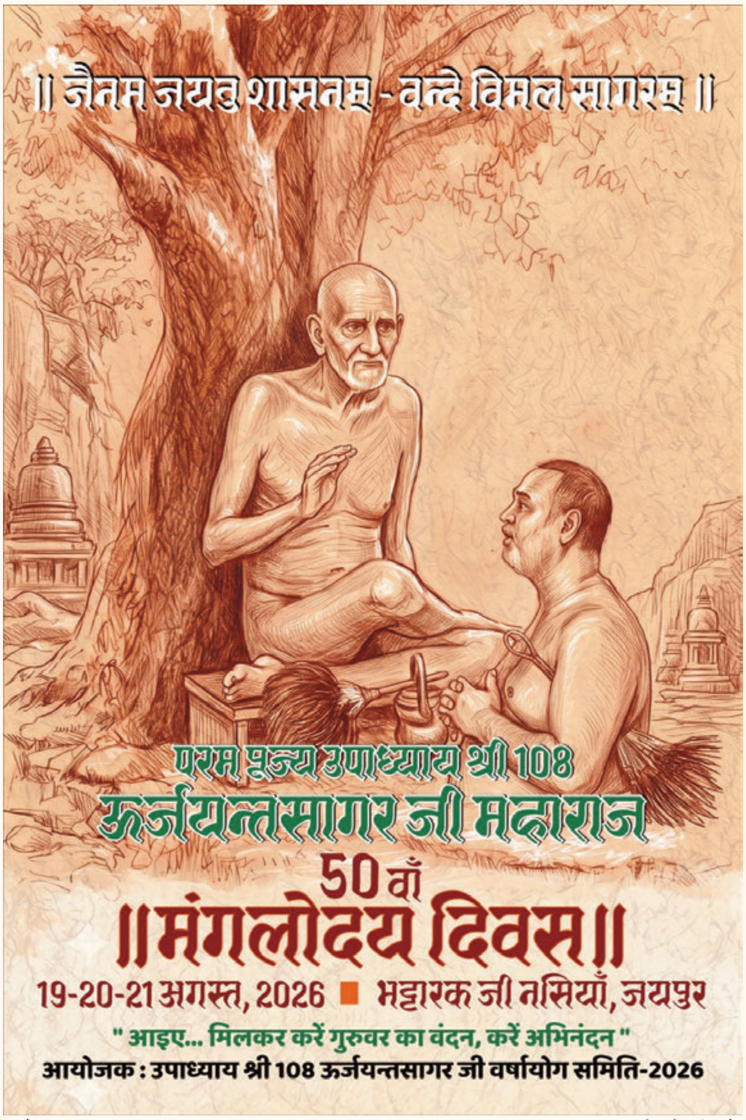

कविता ने छुआ मन, गजलों ने जगाए सवाल और गीतों में महकी राजस्थान की माटी

“काव्य रश्मिका” की साहित्यिक गोष्ठी में संवेदना, सामाजिक सरोकार और संस्कृति के रंगों से सजी काव्य संध्या

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शब्द कभी मन की नमी बनकर उतरे, कभी समाज की विसंगतियों पर सवाल बनकर उभरे और कभी राजस्थान की लोक-संस्कृति की सुगंध लेकर महफिल में बिखर गए। रविंद्र फाइन आर्ट्स अकादमी परिसर में श्रीमती हंसा रविंद्र की मेजबानी में आयोजित ‘‘काव्य रश्मिका’’ साहित्यिक समूह की कवि गोष्ठी विविध काव्य रंगों की साक्षी बनी। कविता, गीत, गजल और मुक्तकों के माध्यम से रचनाकारों ने प्रेम, परिवार, स्त्री-विमर्श, भाषा, प्रकृति और बदलते सामाजिक मूल्यों से संवाद किया। शकुंतला सोनी की सरस्वती वंदना से आरंभ हुई गोष्ठी में मुख्य अतिथि सीए राजकुमार बाबेल एवं अध्यक्ष वरिष्ठ गजलकार अरुण त्रिपाठी का स्वागत किया गया। बाबेल ने कविता को संवेदना एवं उत्कृष्ट मनोभावों की दुनिया बताते हुए राजस्थानी गीत ‘‘तीज त्यौहार जो आवे...’’ से लोक-संस्कृति का रंग घोला। उनकी हास्य पैरोडी ‘‘जय पत्नी देवी’’ ने महफिल को ठहाकों से भर दिया। वरिष्ठ गजलकार अरुण त्रिपाठी ने करीब 30 शेरों की गजल में जीवन-संघर्ष, भाषा, सामाजिक व्यवहार और मनुष्य की आंतरिक शक्ति को स्वर दिया। ‘‘भाषा के सर पर चढ़कर शब्द इतराने लगे...’’ जैसे शेरों ने वर्तमान दौर में संवाद, सभ्यता और भाषा की बदलती स्थिति पर गंभीर चिंतन कराया। उनकी पंक्ति ‘‘आदमी के हाथ बस दो रोटियां रह जाएंगी’’ ने जीवन की नश्वरता को सरल किंतु गहरे अर्थों में अभिव्यक्त किया। समूह की संस्थापक डॉ. शकुंतला सरूपरिया ने संचालन के साथ अपनी गजलों में आधुनिक जीवन की आपाधापी, खोते रिश्तों और अनुत्तरित सवालों को अभिव्यक्ति दी। युवा कवि जगवीर सिंह ने ‘‘वह कौन है?’’ और ‘‘तुम्हारा नाम’’ के माध्यम से अस्तित्व एवं स्त्री जीवन के प्रश्न उठाए। डॉ. सुमन पामेचा ने ‘‘आज फिर’’, ‘‘आधुनिक मानव’’ और ‘‘पैसा है भगवान’’ रचनाओं के माध्यम से बदलती मानवीय संवेदनाओं पर प्रहार किया। मेजबान हंसा रविंद्र की ‘‘पका हुआ विकास’’ गोष्ठी का विशेष आकर्षण रही। झील, पहाड़, चिड़ियां, पेड़, बेटियां और हंसते पिता की कल्पना के माध्यम से उन्होंने विकास को प्रकृति और प्रेम से जोड़ने का संदेश दिया। शकुंतला सोनी ने बेटियों की पीड़ा पर मुक्तक सुनाया, जबकि दुष्कर्म और हत्या की शिकार डॉ. मोहिता पर उनकी मार्मिक कविता ने वातावरण को भावुक कर दिया। अंत में कल्पना भाटी ने आभार व्यक्त किया। गोष्ठी अपने पीछे केवल तालियों की गूंज नहीं, बल्कि अनेक सवाल, संवेदनाएं और विचार भी छोड़ गई।

रिपोर्ट : यौवंतराज माहेश्वरी

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ की दो दिवसीय धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ की ओर से 8 एवं 9 अगस्त 2026 को 41 सदस्यीय दो दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान सदस्यों ने विभिन्न जैन तीर्थों के दर्शन कर धर्मलाभ लिया। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि 8 अगस्त को वर्धमान सरोवर जैन मंदिर में दर्शन कर यात्रा की शुरूआत की गई। इसके बाद निवाई में सभी सदस्यों का स्वागत निवाई सरावगी समाज की ब्लॉक अध्यक्ष अनिता छाबड़ा एवं प्रिंस छाबड़ा ने किया तथा चाय-नाश्ते की व्यवस्था की। सभी सदस्यों ने उनका आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात दिगंबर जैन मंदिर, आवा के दर्शन कर सभी ने भोजन का आनंद लिया। ग्रुप सचिव अजय जैन ने बताया कि इसके बाद सभी सदस्यों ने कोटा रिवर फ्रंट का भ्रमण किया। शाम का भोजन भी रिवर फ्रंट पर किया गया तथा रात्रि विश्राम चांदखेड़ी, खानपुर में हुआ। ग्रुप संयोजक पीयूष जैन ने बताया कि 9 अगस्त को सभी सदस्यों ने चांदखेड़ी जैन मंदिर में पूजा एवं प्रक्षाल किया। इसके बाद नाश्ता एवं भोजन कर केशोरायपाटन दिगंबर जैन मंदिर के लिए प्रस्थान किया। वहां मंदिर के दर्शन के बाद आर्यिकारत्न श्री 105 स्वस्ति भूषण माताजी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात इंदरगढ़ जैन मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और सभी सदस्यों ने दाल-बाटी-चूरमा का आनंद लिया। इसके बाद जयपुर के लिए रवाना होकर सुखद यात्रा का समापन किया। कार्यक्रम में राहुल जैन, अभय गंगवाल, पूर्व अध्यक्ष सुकेश काला, उपाध्यक्ष सुनील जैन, अजय जैन, संदीप शाह, संजय जैन, पदम सोगानी सहित कार्यकारिणी सदस्य एवं अन्य सदस्यों ने यात्रा का आनंद लिया।

महिला सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम में डीजीपी (यातायात) मालिनी अग्रवाल ने दिया महिला सुरक्षा का संदेश

वर्द्धमान कन्या पीजी महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हुई शामिल, मंत्री डॉ. नरेंद्र पारख एवं प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने किया स्वागत

ब्यावर. शाबाश इंडिया

महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने एवं महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महिला सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम के तहत श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति, ब्यावर द्वारा संचालित वर्द्धमान कन्या पीजी महाविद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक (यातायात) श्रीमती मालिनी अग्रवाल ने शिरकत की। महाविद्यालय पहुंचने पर मंत्री डॉ. नरेंद्र पारख एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने श्रीमती मालिनी अग्रवाल का स्वागत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने भी उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान महिला सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन, सड़क सुरक्षा तथा महिलाओं में आत्मविश्वास एवं जागरूकता बढ़ाने से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी प्रकार की असुरक्षा या परेशानी की स्थिति में तत्काल पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। श्रीमती मालिनी अग्रवाल ने कहा कि महिला सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। जागरूकता, आत्मविश्वास एवं कानून की जानकारी महिलाओं को अधिक सशक्त बनाती है। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रीमती मालिनी अग्रवाल का आभार व्यक्त किया गया।

सीएमए जून 2026 के सफल विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

ऑल इंडिया रैंक हासिल कर विद्यार्थियों ने बढ़ाया ब्यावर का गौरव

ब्यावर. शाबाश इंडिया

द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के ब्यावर चैप्टर की ओर से जून 2026 परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के सम्मान में होटल सूर्य महल, ब्यावर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में फाइनल एवं इंटरमीडिएट के सफल विद्यार्थियों को दुपट्टा एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निवर्तमान सभापति, नगर परिषद ब्यावर श्री नरेश कानोजिया रहे। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थी प्रोफेशनल नॉलेज, मेहनत एवं निरंतर सीखने की भावना के साथ जीवन में उच्च मुकाम हासिल करें तथा अपनी उपलब्धियों से ब्यावर का नाम रोशन करें। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता के लिए ब्यावर चैप्टर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। जून 2026 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। फाइनल में सोनू भाटी ने ऑल इंडिया रैंक 25 हासिल की। वहीं इंटरमीडिएट में विनोद साहू ने ऑल इंडिया रैंक 6, योगेश सिसोदिया ने 28, विकास जांगिड़ ने 29 तथा संजना साहू ने 44वीं रैंक प्राप्त कर ब्यावर का गौरव बढ़ाया। ब्यावर चैप्टर के अध्यक्ष मितेश चोपड़ा एवं सचिव शुभम सांखला ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पीडी कमेटी चेयरमैन रूपेश कोठारी एवं स्टूडेंट कमेटी चेयरपर्सन ज्योति सारडा ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। समारोह का मंच संचालन रूपेश कोठारी ने किया। इस अवसर पर अंकुर सिंघल, चिन्मय माहेश्वरी, पवन गोयल, राकेश कुमावत, आशीष कोठारी, रवि शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रतिभावान बच्चों ने लिए नैतिक संस्कारों के सूत्र

आराध्य धाम मंदिर में 20 से अधिक विद्यार्थी सम्मानित

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया। जैन इंजीनियर सोसाइटी, आराध्य धाम परिवार, वर्धमान महावीर सेवा सोसाइटी एवं सखी सेवा संस्थान, फरीदाबाद द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में 20 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूज्य आचार्य श्री अरुण सागर जी महाराज ने कहा कि उच्च पद प्राप्त करने के साथ नैतिक मूल्यों एवं श्रेष्ठ संस्कारों का होना आवश्यक है। ये संस्कार व्यक्ति के यश में श्रीवृद्धि करते हैं। निर्णय लेते समय महापुरुषों के मार्गदर्शन को सदैव स्मरण रखना चाहिए। मंदिर के मुख्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम में इंजीनियर अरुण कुमार जैन ने संस्थाओं की प्रेरक गतिविधियों की जानकारी दी। इंजीनियर डॉ. सुभाष जैन, संस्थापक अध्यक्ष वर्धमान महावीर सेवा सोसाइटी, की प्रेरणा से विभिन्न सेवा कार्य संचालित किए जा रहे हैं। सखी सेवा संस्थान की चेयरपर्सन श्रीमती रेखा जैन ने सम्मानित विद्यार्थियों का परिचय कराया। इनमें आईआईटी एवं मेडिकल कॉलेज में चयनित, सीए तथा विधि शिक्षा को करियर के रूप में चुनने वाले विद्यार्थी शामिल रहे। आराध्य धाम परिवार के अध्यक्ष दिनेश जैन ने बच्चों को तिलक लगाकर आशीर्वाद प्रदान किया। इंजीनियर डी.के. जैन एवं इंजीनियर एस.के. जैन, एनटीपीसी ने बच्चों को अंगवस्त्र प्रदान किए। इंजीनियर बी.आर. जैन, सुरेंद्र जैन, महेंद्र सेठी एवं गोपाल कृष्ण जैन ने समारोह में उल्लेखनीय सेवाएं दीं। इसी अवसर पर डॉ. बी.एस. जिंदल को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के बाद सभी ने जलपान का आनंद लिया। सम्मानित विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि पढ़ाई, खेल एवं व्यायाम के साथ ध्यान, योग एवं आराधना को भी जीवन का हिस्सा बनाएंगे, ताकि सहज रहकर श्रेष्ठ नागरिक बनें और देश, समाज एवं धर्म की सेवा कर सकें। आईआईटी में चयनित अनय जैन, पुलकित जैन, अर्हम जैन एवं आर्या जैन तथा मेडिकल में चयनित कु. तमन्ना जैन को सम्मानित किया गया। 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अन्वी जैन, अर्हम जैन एवं अनिका जैन को भी सम्मान मिला। सम्यक जैन के सीए बनने पर उन्हें सम्मानित किया गया।

जयपुर होलसेल गारमेंट्स एसोसिएशन का तीन दिवसीय गारमेंट फेयर शुरू, जुटे 300 से अधिक व्यापारी

135 से अधिक स्टॉलों पर रेडीमेड कपड़ों के लेटेस्ट कलेक्शन प्रदर्शित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर होलसेल गारमेंट्स एसोसिएशन का दूसरा तीन दिवसीय गारमेंट फेयर सोमवार से झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में शुरू हुआ। फेयर 12 अगस्त तक चलेगा। इसमें देशभर से 300 से अधिक रेडीमेड निमार्ता शामिल हुए हैं और 135 से अधिक स्टॉलों पर रेडीमेड कपड़ों के कलेक्शन प्रदर्शित किए गए हैं। अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, महामंत्री राकेश गुप्ता एवं कन्वीनर राकेश परवाल ने बताया कि फेयर का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा के जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर फैडरेशन ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल एवं महामंत्री नरेश सिंघल, जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश बज, महामंत्री सुरेश सैनी तथा कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स राजस्थान के अध्यक्ष राजू अग्रवाल एवं महामंत्री हेमंत प्रभाकर अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर भाजपा शहर अध्यक्ष अमित गोयल ने व्यापारियों की समस्याओं के हरसंभव समाधान का आश्वासन देते हुए एसोसिएशन की टीम को आयोजन के लिए बधाई दी। अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल ने बताया कि उद्घाटन के बाद सभी अतिथियों ने फेयर में लगी 135 से अधिक स्टॉलों का अवलोकन किया और वहां प्रदर्शित रेडीमेड कपड़ों के लेटेस्ट कलेक्शन की जानकारी ली। इस अवसर पर विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

शिल्पग्राम के दर्पण सभागार में मल्हार उत्सव की दूसरी संध्या

विनायक के सितार पर झरती रही गौड़ मल्हार की फुहार, पल्लवी के नृत्य भावों ने रचा भारतीय संस्कृति का विराट संसार

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शिल्पग्राम के दर्पण सभागार में शनिवार की सांझ मानो संगीत के आकाश पर सावन उतर आया। बाहर हरियाली का मौसम था और भीतर सितार के तारों पर मेघों की छाया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से आयोजित 'मल्हार' उत्सव की दूसरी संध्या में शास्त्रीय संगीत और नृत्य ने मिलकर ऐसी अनुभूति रची, जिसमें वर्षा की रिमझिम, भक्ति की निर्मलता, करुणा की गहराई और अध्यात्म का आलोक एक साथ प्रवाहित होता रहा। आरम्भ में केंद्र निदेशक डॉ अश्विन एम दलवी ने दीप प्रज्जवन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सितार वादक विनायक चित्तर ने राग गौड़ मल्हार से कार्यक्रम का आगाज किया। उनके आलाप में स्वर किसी दूरस्थ क्षितिज पर उमड़ते बादलों की तरह धीरे-धीरे आकार लेते गए। मंद्र से तार सप्तक की यात्रा में राग का सौंदर्य खुलता चला गया और सभागार मानो वर्षा की प्रतीक्षा में ठहरा हुआ प्रतीत हुआ। जोड़ और झाला में सितार की चमकती तानों ने उस प्रतीक्षा को जैसे झमाझम फुहारों में बदल दिया। विलंबित और मध्यलय की बंदिशों में विनायक चित्तर ने गौड़ मल्हार की गंभीरता के साथ उसकी चंचलता को भी उभारा। कभी स्वर मिट्टी की सोंधी खुशबू जैसे लगे, तो कभी बूंदों से कांपते पत्तों की हल्की थिरकन जैसे। तबले पर पं. पार्थसारथी मुखर्जी की संगत ने इस सुर-यात्रा को लय का सशक्त आधार दिया। दोनों कलाकारों का संवाद ऐसा था, जिसमें ताल और तान एक-दूसरे को सुनते, समझते और आगे बढ़ाते प्रतीत हुए। इसके बाद मोहिनीअट्टम नृत्यांगना पल्लवी कृष्णन ने मंच को भावों की पवित्र भूमि में बदल दिया। गोस्वामी तुलसीदास की रचना ''श्री रामचंद्र कृपालु भजमन'' से आरंभ हुई प्रस्तुति में राम के शौर्य, मयार्दा और करुणा का सौंदर्य साकार हुआ। उनकी आंखों की भाषा, हस्तमुद्राओं की लय और पदचाप की दृढ़ता ने भक्ति को दृश्य रूप दे दिया। इसी कड़ी में ''चिंताविष्टायाया सीता'' में सीता के मन का

अकेलापन, अपमान, प्रश्न और आत्मबल गहरे प्रभाव के साथ उभरा। यह केवल एक पौराणिक चरित्र की व्यथा नहीं, बल्कि संवेदना और स्वाभिमान की एक मौन पुकार बनकर सामने आया। धरती में समा जाने का प्रसंग प्रस्तुति को अत्यंत मार्मिक ऊंचाई तक ले गया। वहीं, ''माया मोहन कृष्ण'' में द्रौपदी की पुकार, गजेंद्र की रक्षा और कुरुक्षेत्र में अर्जुन के विषाद को हरते कृष्ण के प्रसंगों ने धर्म, करुणा और मार्गदर्शन के अनेक रूपों को साकार किया। समापन ''शिव पंचाक्षर स्तोत्रम्'' से हुआ, जहां ''नमः शिवाय'' की अनुगूंज में मंच शिवमय हो उठा। इस अवसर पर केंद्र निदेशक डॉ.दलवी संग उप निदेशक पवन अमरावत, सहायक निदेशक दुर्गेश चांदवानी, अधीक्षण अभियंता सी एल सालवी, कार्यक्रम अधिशासी हेमंत मेहता सहित शहर के कई सुर रसिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्कृतिकर्मी दीपक पंवार ने किया। ''मल्हार'' की यह संध्या देर तक इस स्मृति के साथ मन में गूंजती रही कि जब संगीत बरसता है, तब नृत्य उसे आत्मा की भाषा दे देता है।

रिपोर्ट/फोटो
राकेश शर्मा 'राजदीप'

श्रीजी किशोरी लाडली ग्रुप ने मनाया लहरिया महोत्सव

लहरिया थीम पर धार्मिक भजन-कीर्तन का लिया आनंद

कोटा. शाबाश इंडिया। 10 अगस्त। श्रीजी किशोरी लाडली ग्रुप के सौजन्य से हनुमान मंदिर, वल्लभबाड़ी में लहरिया महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर ग्रुप की सभी सदस्य रंग-बिरंगे लहरिया वस्त्रों में सज-धजकर पहुंचीं और भगवान के मधुर भजन-कीर्तन का आनंद लिया। ग्रुप अध्यक्ष किरण वैद ने बताया कि लहरिया थीम के आधार पर सभी सखियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। लहरिया थीम प्रतियोगिता में संगीता खेड़ा को प्रथम, भावना दयानी को द्वितीय एवं प्रीति गौतम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। उन्हें ''लहरिया क्वीन'' के रूप में चुना गया। कीर्तन के समापन पर ग्रुप अध्यक्ष किरण वैद ने सावन में मनाए जाने वाले विभिन्न त्योहारों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद सभी सखियों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की और सुंदर उपहार प्राप्त किए। **रिपोर्टः आजाद शेरवानी**

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान महिला प्रकोष्ठ ने हर्षोल्लास से मनाई हरियाली तीज

दिल्ली-एनसीआर की करीब 100 महिलाओं ने लिया उत्सव में भाग

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से स्थापित अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान (महिला प्रकोष्ठ) द्वारा 8 अगस्त 2026 को मधुबन, दिल्ली स्थित मोना ग्रैंड होटल में हरियाली तीज महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्थान की अध्यक्षा श्रीमती रैना जैन एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती पदमा जैन ने बताया कि महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में दिल्ली-एनसीआर की शकरपुर, उत्तमनगर, नोएडा एवं लोधी रोड शाखाओं की करीब 100 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज के चित्र के अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। चित्र अनावरण श्रीमती रैना जैन, ग्रीन पार्क एवं श्रीमती पदमा जैन, मधुबन ने किया। दीप प्रज्वलन श्रीमती नमिता जैन, श्रीमती नीना जैन, श्रीमती शशि जैन, श्रीमती दीपा जैन, श्रीमती पूजा जैन, श्रीमती पिंकी जैन, श्रीमती बबिता जैन एवं श्रीमती रिंकी जैन ने किया। हरियाली तीज के अवसर पर सभी प्रतिभागी महिलाओं को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा विभिन्न शाखाओं की अध्यक्ष एवं मंत्रियों का सम्मान किया गया। सांस्कृतिक पहनावे पर आधारित ''हरियाली तीज क्वीन'' प्रतियोगिता में उत्तमनगर शाखा की श्रीमती पूजा जैन को विजेता चुना गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा के साथ जैन धर्म की विशेषताओं को भी प्रस्तुत किया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के खेल एवं हाउजी का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रचार-प्रसार में सहयोग के लिए ''अहिंसा प्रभावना'' के कार्यकारी संपादक श्री अंकित जैन को भी सम्मानित किया गया। दिल्ली-एनसीआर की सभी शाखाओं की महिलाओं ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए आयोजन को सफल बनाया। **-पदम जैन बिलालाः प्रांतीय अध्यक्ष, धर्म जागृति संस्थान**

सावन के दूसरे सोमवार को सजाई बाबा अमरनाथ की झांकी

जयपुर. शाबाश इंडिया। सावन के दूसरे सोमवार एवं प्रदोष के अवसर पर दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर परिसर के स्वयं आत्माराम जलेश्वरनाथ महादेव मंदिर में बाबा अमरनाथ की भव्य झांकी सजाई गई। इस अवसर पर अमृत भजन संध्या का भी आयोजन किया गया। बाबा अमरनाथ का मनोहारी दरबार भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। भजन संध्या में कलाकारों ने बाबा के भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। सर्व समाज हिंदू महासभा के संस्थापक चंद्र प्रकाश भाड़ेवाला ने बताया कि नीरज अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन एवं श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर भजनामृत का आनंद लिया।

आर्यिका जिज्ञासा श्री माताजी का मंगल चातुर्मास कलश स्थापना दिवस संपन्न

भिंड में भक्तिभाव के साथ हुआ वर्षायोग कार्यक्रम

भिंड. शाबाश इंडिया। भिंड नगर के बतासा बाजार स्थित ऋषभ सत्संग भवन में परम पूज्य गणाचार्य विराग-विशुद्ध सागर जी महाराज की परम शिष्या आर्यिका जिज्ञासा श्री माताजी का 2026 का पावन वर्षायोग मंगल चातुर्मास कलश स्थापना दिवस भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत भव्य जुलूस के साथ हुई। जुलूस श्री आदिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल ऋषभ सत्संग भवन पहुंचा। कार्यक्रम का शुभारंभ गणाचार्य विराग-विशुद्ध सागर जी महाराज के चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। नगर में विराजमान मुनि श्री विनय सागर जी महाराज का भी कार्यक्रम में मंगल सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर आर्यिका जिज्ञासा श्री माताजी का पाद प्रक्षालन किया गया तथा शास्त्र भेंट किए गए। प्रथम मंगल कलश का सौभाग्य मुंबई निवासी श्री मनोज जैन एवं सुशील जैन को, द्वितीय कलश श्री राकेश जैन, छतरपुर तथा तृतीय कलश श्री विजय कुमार जैन, छतरपुर को प्राप्त हुआ। अन्य श्रद्धालुओं को भी मंगल कलश प्राप्त हुए। बाहर से पधारे अनेक श्रद्धालुओं ने मंगल कलश स्थापना दिवस में सहभागिता कर माताजी के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की। आर्यिका जिज्ञासा चिंतामणि मंगल चातुर्मास कमेटी की ओर से माताजी को श्रीफल भेंट कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया गया। पत्रकार सोनल जैन ने बताया कि कार्यक्रम में सकल जैन समाज, जनप्रतिनिधियों एवं भिंड नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सहभागिता की। इनमें श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला युवा महासभा, प्रज्ञ संघ, गुरुसेवा परिवार, मुनिभक्त परिवार, चंदाप्रभु महिला मंडल किला गेट, विराग-विशुद्ध महिला मंडल सहित अन्य मंडल शामिल रहे। **रिपोर्ट : सोनल जैन**

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा का केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने किया गरिमामय सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के वयोवृद्ध पत्रकार, लेखक एवं समाजसेवी प्रवीण चंद्र छाबड़ा के 97 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर रविवार को उनके निवास पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने पहुंचकर उनका सम्मान किया। नड्डा ने कहा कि भाईसाहब के नाम से प्रसिद्ध छाबड़ाजी का पूरा जीवन एक आदर्श है। समाज के लिए कुछ करने की भावना आज भी उनके मन में जागृत है। नड्डा जयपुर में हर घर तिरंगा कार्यक्रम की शुरूआत करने के लिए एक दिवसीय दौरे पर आए थे। हवाईअड्डे से वे सीधे टोंक रोड स्थित तारों की कूंट में श्री छाबड़ा के आवास पर पहुंचे और माला पहनाकर एवं दुपट्टा ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, भाजपा राजस्थान प्रभारी राधामोहन अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजय कुमार, जयपुर नगर निगम ग्रेटर की पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, पूर्व उपमहापौर पुनीत कर्णावट तथा विधायक एवं पत्रकार गोपाल शर्मा सहित अनेक भाजपा नेता मौजूद रहे। दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधांशु कासलीवाल, राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के जिला कार्याध्यक्ष भारतभूषण जैन एवं केदार शर्मा भी उपस्थित रहे। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने नड्डा को बताया कि छाबड़ा ने 1948 में स्वतंत्रता सेनानी अर्जुनलाल सेठी पर लेख लिखकर पत्रकारिता की शुरूआत की थी। राजस्थान श्रमजीवी पत्रकार संघ एवं पिंकसिटी प्रेस क्लब के संस्थापक छाबड़ा ने दैनिक जयभूमि, लोकमान्य, लोकवाणी, समाचार भारती, दैनिक विश्वमित्र सहित अनेक प्रतिष्ठित समाचार संस्थानों में कार्य किया। आजादी के बाद पहली विधानसभा के गठन की कवरेज से लेकर वे अब तक राजस्थान की राजनीति से गहराई से जुड़े रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न मुख्यमंत्रियों से उनके आत्मीय संबंध रहे और उनकी राय को भी सम्मान मिला। साफगोई के लिए पहचाने जाने वाले छाबड़ा सभी के साथ मित्रतापूर्ण संबंध रखने के लिए भी प्रसिद्ध हैं। अतिशय क्षेत्र चूलगिरि के विकास, महावीर कैंसर हॉस्पिटल की स्थापना, स्टेच्यू सर्किल पर सवाई जयसिंह की प्रतिमा, बिरला मंदिर प्लेनेटोरियम एवं कनक वृंदावन सहित जयपुर के अनेक महत्वपूर्ण कार्यों से वे सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं। शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की स्थापना एवं विकास में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। तिवाड़ी ने बताया कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया, भैरोंसिंह शेखावत, अशोक गहलोत एवं हरिदेव जोशी सहित अनेक प्रमुख नेताओं से छाबड़ा के गहरे संबंध रहे हैं। उनका पूरा जीवन निस्वार्थ भाव से कार्य करने के आदर्श से भरा है, जो सभी के लिए अनुकरणीय है। पत्रकारों के हितों के लिए हमेशा संघर्षरत रहे छाबड़ा आज भी सभी आयु वर्ग के पत्रकारों से लगातार संपर्क रखते हैं। इस अवसर पर विधायक एवं पत्रकार गोपाल शर्मा ने छाबड़ा से जुड़े राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत के संस्मरण साझा किए। उन्होंने कहा कि भाईसाहब के नाम से प्रसिद्ध छाबड़ाजी के दरवाजे राजनेताओं और पत्रकारों सहित सभी के लिए हमेशा खुले रहे हैं। गोपाल शर्मा ने बताया कि छाबड़ा ने चांदन के बाबा पुस्तक लिखी, जिसका विमोचन तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने किया था। इसके अलावा उन्होंने परम पुरुषार्थ अहिंसा, धम्मं शरणं तथा हाल ही में निज से-निज को : सहज और आनंदमय जीवन के सूत्र पुस्तकें भी लिखी हैं। नड्डा ने करीब आधे घंटे तक छाबड़ा के साथ आत्मीयता से बातचीत की और उनके परिवार की चार पीढ़ियों के सदस्यों से मुलाकात की। छाबड़ा ने भी राजनीति एवं सामाजिक जीवन से जुड़े अनेक संस्मरण नड्डा के साथ साझा किए। बाद में नड्डा ने छाबड़ा की पुत्रवधू निरू छाबड़ा द्वारा अक्षत के दानों पर बनाई गई विभिन्न कलाकृतियों तथा अक्षत पर लिखे मंत्रों एवं पर्यावरण संदेशों का अवलोकन किया और उनके कार्य की सराहना की।

विभाश्री माताजी से लिया मंगल आशीर्वाद

जैन समाज की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का निर्णय 13-14 अगस्त को भाटिया भवन में महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित घरेलू उत्पादों की प्रदर्शनी एवं मेले के पोस्टर का विमोचन

जयपुर। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर की ओर से महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित घरेलू उत्पादों की विशाल प्रदर्शनी एवं मेले का आयोजन 13-14 अगस्त को भाटिया भवन में किया जाएगा। आयोजन के बहुरंगी पोस्टर का विमोचन मानसरोवर के वरुण पथ स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में परम पूज्य गणिनी आर्यिका 105 विभाश्री माताजी के मंगल सान्निध्य में किया गया। इस अवसर पर राजस्थान जैन युवा महासभा के पदाधिकारियों एवं आयोजन से जुड़े सदस्यों ने माताजी के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, मंत्री जिनेश कुमार जैन, जिला महामंत्री सुभाष बज, मीनाक्षी जैन, प्रियंका सोनी एवं सुनील गंगवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।प्रदीप जैन लाला एवं विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि महिला स्वरोजगार एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। जैन समाज की महिलाओं को स्टॉल बुकिंग पर 50% विशेष छूटस्वास्तिक एग्जीबिशन-हेल्थ डिवीजन में जैन समाज की महिलाओं को स्टॉल बुकिंग के निर्धारित शुल्क पर 50% विशेष छूट दी जाएगी। महासभा के बैनर तले लिया गया यह निर्णय महिलाओं को अपने उत्पाद एवं सेवाएं प्रदर्शित करने तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। आयोजन के प्राउड स्पॉन्सर 'Mr. Ravi Chai' हैं। उनकी ओर से महिला उद्यमिता एवं स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने की इस पहल में सहयोग दिया जा रहा है।राजस्थान जैन युवा महासभा के मंत्री एवं 'Mr. Ravi Chai' के प्रोपराइटर एवं ब्रांड ओनर जिनेश कुमार जैन ने कहा कि महिला शक्ति को आगे बढ़ाना समाज और देश की प्रगति को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक महिलाएं इस प्रदर्शनी से जुड़ें, अपने हुनर एवं उत्पादों को मंच प्रदान करें तथा आत्मनिर्भर बनें। जैन समाज की महिलाओं के लिए 50% स्टॉल छूट इसी उद्देश्य की सार्थक पहल है। उन्होंने जैन समाज की महिलाओं से अधिकाधिक संख्या में प्रदर्शनी में भाग लेने, अपने उत्पाद प्रदर्शित करने तथा इस विशेष अवसर का लाभ उठाने का आह्वान किया। राजस्थान जैन युवा महासभा एवं 'Mr. Ravi Chai' की यह पहल महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में सकारात्मक एवं अनुकरणीय कदम है।विनोद जैन कोटखावदाप्रदेश महामंत्रीराजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर